राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 226 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 13 जून 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना के इंजीनियर के पास 19 भूखंड, एक विला समेत करोड़ों की संपत्ति; छापे में खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना में सिंचाई विभाग के एक कार्यकारी इंजीनियर के पास आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। उनके पास करोड़ों की संपत्ति मिली है। इंजीनियर का नाम नुने श्रीधर है।

यह खुलासा भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) के छापे में हुआ है। एसीबी के अधिकारियों ने श्रीधर के 13 ठिकानों पर छापा मारा था। उनके खिलाफ आय से संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने उनके ठिकानों से दस्तावेज जब्त किए हैं। एसीबी की जांच में पता चला कि इंजीनियर श्रीधर के पास हैदराबाद के शेखपेट में 4,500 वर्ग फुट का बेशकीमती फ्लैट है।

करीमनगर में 3 फ्लैट और हैदराबाद के तेलपुर में विला है। वारंगल, हैदराबाद और करीमनगर में 3 बिल्डिंग है। उनके 3 शहरों में 19 रिहायशी भूखंड हैं। इसके अलावा 16 एकड़ कृषि भूमि और करीमनगर के कई होटलों में हिस्सेदारी भी है। इसके अलावा काफी मात्रा में नकद, सोना और बैंक खाते में भी पैसा मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीधर ने अपने बेटे की शादी थाईलैंड में की थी, जिसमें करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे।

उनका नाम मल्टी-स्टेज लिफ्ट सिंचाई परियोजना कालेश्वरम प्रोजेक्ट से भी जुड़ा है, जो दुनिया का सबसे बड़ी परियोजना है। परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, जिसमें श्रीधर का भी नाम जुड़ा है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी परियोजना को लेकर पी.सी. घोष आयोग की जांच के दायरे में हैं।

पंजाब में कार में मिली इन्फ्लुएंसर भाभी की लाश, जांच में जुटी पुलिस

बठिंडा। बीती रात बठिंडा-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर स्थित एक निजी मेडिकल यूनिवर्सिटी की पार्किंग में रहस्यमयी परिस्थितियों में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई. शुरुआती पुलिस जांच में पता चला है कि जिस कार में शव मिला है, उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी. जांच के बाद पता चला कि शव सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी (कंचन कुमारी) का था. पुलिस मामले की जांच कर रही है. मामले की जानकारी देते हुए एसपी सिटी नरिंदर सिंह ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि वहां कूड़े का ढेर लगा है, जिससे बदबू आ रही है.

ब्रिटिश नागरिक समेत 2 लोग जिंदा बचे

अहमदाबाद विमान हादसे में 240 यात्रियों की मौत

एअर इंडिया की लाइट लंदन जा रही थी; पूर्व सीएम रूपाणी का भी निधन

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल दो लोगों के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

न्यूज एजेंसी ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी कि प्लेन की सीट नंबर 11 पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। इससे पहले क ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या -171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी।

प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं।

हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। हादसे में बुरी तरह घायल और झुलसे हुए लोगों को अहमदाबाद के अलग-अलग अस्पतालों में लाया गया।

एयर इंडिया की फ्लाइट दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गई। जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया।

सड़कों पर लाशें बिखरीं, शरीर जले-पहचानना मुश्किल गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया प्लेन क्रैश में 100 से ज्यादा यात्री मारे गए हैं। अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान में 242 यात्री सवार थे। हादसे के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्ट्रेचर कम पड़े तो हाथ ठेले से लेकर पहुंचे शव, अस्पताल में ओ निगेटिव ब्लड की कमी अहमदाबाद प्लेन क्रैश होने के बाद हादसे के शिकार लोगों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया जा रहा है। अस्पताल में स्ट्रेचर कम पड़े तो हाथ ठेले से शवों को ले जाया जा रहा है। अस्पताल में ओ निगेटिव ब्लड की कमी होने के बाद ब्लड डोनेशन की अपील की है।

राजस्थान के बांसवाड़ा की डॉ. कोनी व्यास, उनके पति डॉक्टर प्रदीप जोशी, बच्चे प्रद्युत जोशी, मिराया जोशी और नकुल जोशी की भी विमान क्रैश में मौत हो गई। उदयपुर के पेसिफिक हॉस्पिटल उमरड़ा के प्रबंधन ने बताया कि डॉ. कोनी व्यास ने एक महीने पहले यहां से जॉब छोड़ दी थी। वे उनके पति के साथ ही रहने के लिए लंदन जा रही थी, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दिया।

हादसे में बचे रमेश विश्वास कुमार ने कहा कि टेकऑफके 30 सेकंड बाद ही प्लेन जबरदस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। मुझे होश आया तो मेरे अगल-बगल लाशें ही लाशें थी। प्लेन के टुकड़े चारों तरफबिखरे हुए थे। मुझे किसी ने उठाया और एंबुलेंस में डाल दिया। मेरा भाई भी मेरे साथ प्लेन में सफर कर रहा था। प्लीज उसे ढूंढने में मेरी मदद कीजिए।

अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन डॉक्टर्स हॉस्टल से टकराया था। यहां विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह जल गया है। वीडियो में हॉस्टल परिसर में प्लेन की टेल टूटी हुई दिख रही है। अहमदाबाद हादसे पर एअर इंडिया का मालिकाना हक रखने वाले टाटा ग्रुप ने अपने हैंडल का कवर पेज ब्लैक कर दिया है। इससे पहले एअर इंडिया ने ऐसा ही किया था।

हादसे के बाद सेना की टीम राहत-बचाव में जुटी- भारतीय सेना

अहमदाबाद के पास एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद चल रहे मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रयासों में नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए लगभग 130 कर्मियों वाली भारतीय सेना की टीमें तैनात की गई हैं। भारतीय सेना की प्रतिक्रिया में मलबा हटाने के लिए जेसीबी के साथ इंजीनियरिंग टीमें, डॉक्टरों और पैरामेडिक्स वाली मेडिकल टीमें, त्वरित कार्रवाई दल (), अग्निशामक यंत्रों और पानी के बाउजर के साथ अग्निशमन संपत्तियां और साइट प्रबंधन के लिए प्रोवोस्ट स्टाफशामिल हैं। सैन्य अस्पताल को भी अलर्ट पर रखा गया है।

जीई एयरोस्पेस ने विमान हादसे पर जताया शोक

वैश्विक कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भी विमान हादसे पर शोक जताया है। एक्स पर एक पोस्ट में जीई एयरोस्पेस ने लिखा- हम एयर इंडिया की फ्लाइट, -171 के दुर्घटनाग्रस्त होने से बहुत दुखी हैं। हम प्रभावित लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। हमने अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम को सक्रिय कर दिया है, और हम अपने ग्राहक और जांच का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

पुर्तगाल के पीएम ने अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर पुर्तगाल के पीएम लुइस मोंटेनेग्रो ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- मुझे भारत में हुए दुखद विमानन हादसे के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ, जिसमें पुर्तगाली राष्ट्रीयता के 7 नागरिक शामिल थे। मैं अपनी और सरकार की ओर से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना और गहरी एकजुटता व्यक्त करना चाहता हूं।

मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ की सहायता राशि देगा टाटा संस

इस हादसे पर टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन शोक जताते हुए कहा- एयर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवारों को ?1 करोड़ की सहायता राशि देगा। हम घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त, हम बीजे मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे। हम इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़े हैं।

कई राज्यों में गर्मी का प्रकोप जारी, दक्षिण में भीषण बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिणी राज्यों में शामिल आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना और पुदुचेरी मानसून सक्रिय अवस्था में रहने की संभावना है. इससे आज से अगले एक दो दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है.

गोवा और कोंकण में कुछ स्थानों पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भीषण बारिश होने का अनुमान है. इसके विपरीत पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत में अगले एक दो दिनों के दौरान कुछ स्थानों पर सामान्य से भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है. जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति बनी रही. हिमाचल प्रदेश, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में कई स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति बनी रही. उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति बनी रही.

पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर रात में गर्म से लेकर अत्यधिक गर्म मौसम की स्थिति बनी रही. पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुछ स्थानों पर रात में गर्म मौसम की स्थिति बनी रही.

तेलंगाना, केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई. उत्तराखंड, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई. मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, तमिलनाडु के कई हिस्सों आंधी आई. पूर्वोत्तर राज्यों में आंधी तूफान ने लोगों को परेशान किया. जम्मू, झारखंड, बिहार, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर आंधी आई. केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर आज से अगले एक दो दिनों के दौरान मध्यम बारिश होने के आसार हैं. आज और कल तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश,कर्नाटक, यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से भारी बारिश के साथ गरज, बिजली, आंधी आने की संभावना है.

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में छत्तीसगढ़ की होगी अहम भूमिका-तोखन साहू

संकल्प सिद्धि का रहा पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के कार्यकाल का 11 साल

दुर्ग (समय दर्शन)। केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू गुरुवार को दुर्ग पहुंचे। यहां उन्होने जिला भाजपा कार्यालय में मीडिया से मुखातिब होते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के 11 साल के कार्यकाल पूर्ण होने पर केन्द्र सरकार की उपलब्धियां गिनवाई।

केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने चर्चा में कहा कि केन्द्र सरकार का 11 साल का कार्यकाल स्वर्णिम कार्यकाल रहा है। यह कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहा है। इस कार्यकाल में कई बड़े संकल्प लिए गए। जो संकल्प सिद्धि की ओर आगे बढ़े है। इसलिए कहा जाता है कि मोदी है तो मुमकिन है। केन्द्र सरकार द्वारा अनेक योजनाओं और महत्वपूर्ण निर्णय से 11 साल के कार्यकाल में देश को संवारने कार्य किया गया है।

मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जन कल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने साथ-साथ देश को वैश्विक स्तर पर नया आयाम देने की भावना रही है। बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने न केवल देश की सीमा सुरक्षित की, बल्कि अर्थव्यवस्था को मजबूत किया और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया। आज हमारा भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने के करीब है। श्री साहू ने एक सवाल के जवाब में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण भाजपा ने ही किया है और हमने ही राज्य को संवारा है।

किसान खुशहाल हुआ है। सड़कों का जाल फैलाया गया है। पीएम आवास से गरीबों का अपने घर का सपना साकार किया गया है। प्रदेश में 3 करोड़ पीएम आवास बनाए गए है। जिसमें 2 करोड़ ग्रामीण एवं 1 करोड़ शहरी क्षेत्र में निर्माण करवाए गए है। छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी को प्राथमिकता के साथ पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में छत्तीसगढ़ अहम भूमिका निभाएगा।

इसके लिए हमने विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। हम पीएम मोदी के नेतृत्व में ऐसा भारत का निर्माण करने जा रहे है। जहां प्रत्येक भारतवासी के विकास की आकांक्षा पूरी होगी। मीडिया से चर्चा के दौरान सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा,पूर्व मंत्री रमशिला साहू, महापौर अलका बाघमार, प्रदेश तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, जिला भाजपा उपाध्यक्ष राजेन्द्र पाध्ये, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, भाजपा प्रवक्ता दिनेश देवांगन, भाजपा नेता अजय तिवारी, दिलीप साहू, नारायणदत्त तिवारी, सरिता मिश्रा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन कार्यक्रम में हुए शामिल

हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूरा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर है। राज्य की आकर्षक नई औद्योगिक नीति के तहत केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विगत वर्ष चार करोड़ पौधे रोपे गए थे। राज्य सरकार एक पेड़ माँ के नाम और पीपल फॉर पीपुल जैसे नवाचार कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नौनिहालों में पर्यावरण चेतना का विकास करना चाहिए, जिससे वे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकें। उन्होंने इस अभियान में भाग ले रहे सभी शिक्षकों और आयोजकों की सराहना की और कहा कि सामाजिक भागीदारी से ही हम शुद्ध हवा, निर्मल जल और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने संघ द्वारा आने वाले वर्षों में 11 लाख पीपल के वृक्षारोपण के संकल्प की सराहना की।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, अशासकीय विद्यालय संचालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुबोध राठी, सचिव श्री मनोज पाण्डेय तथा अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य अशासकीय विद्यालय संचालक संघ एवं छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

2027 की जनगणना होगी डिजिटल, मोबाइल ऐप से जुटाए जाएंगे जातीय समेत सभी आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अगले साल जनगणना करने जा रही है, जिसमें पहली बार जातियों का भी आंकड़ा एकत्र किया जाएगा। इसके साथ ही 2027 की जनगणना एक और वजह से खास होगी, क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के तहत होगी।

जनगणना के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे डाटा जल्दी और सटीक रूप से इकट्ठा हो सकेगा। इसके लिए सरकार ने एक निगरानी पोर्टल भी बनाया है, जिससे पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी।

केंद्र सरकार 2027 में देश की अगली जनगणना करेगी, जो पूरी तरह डिजिटल होगी। इस बार पहली बार जातियों का भी डाटा एकत्र किया जाएगा और जनगणना के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल होगा, जो 16 भाषाओं में उपलब्ध रहेगा।

नागरिकों को खुद से जानकारी भरने का विकल्प भी मिलेगा। यह प्रक्रिया 2026 में घरों की सूची से शुरू होगी और फरवरी 2027 में जनसंख्या की गिनती के साथ पूरी की जाएगी। डिजिटल जनगणना से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि डाटा जल्दी प्रोसेस होगा और अंतिम रिपोर्ट केवल 9 महीनों में जारी की जा सकेगी। मोबाइल ऐप में ड्रॉपडाउन विकल्प, कोडेड सवाल और %फेच% जैसे कई अन्य फीचर्स होंगे, जो रिकॉर्ड को दोहराव से बचाएंगे। इससे कागजी काम घटेगा, समय बचेगा और गलतियों की संभावना भी कम होगी। आईसीआर तकनीक असंगठित उत्तरों को पहचानकर उन्हें तुरंत प्रोसेस करने में मदद करेगी।

संक्षिप्त समाचार

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर, बाईक रैली का आयोजन

बिलासपुर (समय दर्शन)। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस '12 जून' के अवसर पर दिनांक 12 जून 2025 को समय 11:00 ड्डद्व को न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग, नेहरू चौक से गाँधी चौक तक सदर बाजार, गोल बाजार मार्ग होते हुए बाईक रैली कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन बिलासपुर के माध्यम से श्रम विभाग, बिलासपुर द्वारा किया गया , जिसमें शहर वासियों एवं व्यापारी वर्ग को बाल श्रम के नियोजन को प्रतिबंधित करने सम्बंधित प्रचार प्रसार एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सहायक श्रमायुक्त श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा बताया गया कि जिले में 12 जून से 30 जून तक बाल श्रम की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है । जिसमें किसी संस्थान में बाल श्रमिक या किशोर श्रमिक पाये जाने पर नियोजक के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी ।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान डोंगरिया के संचालन हेतु आवेदन 26 जून तक

मुंगेली(समय दर्शन)लोरमी विकासखण्ड के ग्राम डोंगरिया में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां एवं अन्य सहकारी समितियों से 26 जून तक आवेदन मंगाए गए हैं। लोरमी अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने बताया कि इच्छुक समितियां आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लोरमी में कार्यालयीन समय पर जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया और पात्रता संबंधी अधिक जानकारी संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

संकाय सदस्य के पद पर भर्ती हेतु कौशल परीक्षा 16 जून को

मुंगेली(समय दर्शन) जिला पंचायत में संकाय सदस्य के 01 पद पर संविदा भर्ती हेतु मूल दस्तावेज सत्यापन एवं कम्प्यूटर कौशल परीक्षा 16 जून को प्रात: 10 बजे कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए जिले के वेबसाईट https://mungeli.gov.in/ का अवलोकन किया जा सकता है।

खुर्सीपार क्षेत्र में चल रहे सिवरेज लाईन पुनर्निर्माण के कार्यो का औचक निरीक्षण करने पहुंचे-आयुक्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 04 शिवाजी नगर खुर्सीपार अंतर्गत वार्ड क्र. 38, 39 एवं 42 में सिवरेज लाईन पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है। जिसका निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे को लेकर मौके पर पहुंचे। वहां सिवरेज लाईन पुनर्निर्माण का कार्य एजेंसी मेसर्स सी.बीजू द्वारा किया जा रहा है, आयुक्त ने चल रहे सिवरेज लाईन के कार्यो का जानकारी प्राप्त किए और कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कार्य करने हेतु निर्देशित किए। निर्माण कार्य के गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न हो इसके लिए विशेष सुझाव दिए गए। आयुक्त पाण्डेय ने उपस्थित अधिकारियों को भी निर्देशित किये कि चल रहे कार्यो का निरीक्षण प्रतिदिन करते रहें। एजेंसी को दिए गए कार्य समय अवधि का पूर्णता से पालन करने निर्देशित किया गया । स्थल पर सिवरेज लाईन चेम्बर का ढक्कन अज्ञात लोगो द्वारा तोड़कर लोहा चोरी कर लिया गया है, चोरो द्वारा कबाड़ी का सामग्री खरीदने एवं बेचने वालो की मिली भगत से चोरी का लोहा खरीदी-ब्रिकी किया जा रहा है। संलिप्त अज्ञात व्यक्तियों एवं कबाड़ियों के खिलाफकड़ी कार्यवाही करने थाने में एफआई.आर. दर्ज कराने अधिकारियों को निर्देशित किए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, सहायक अभियंता प्रिया खैरवार, उपअभियंता चंदन निर्मल, चंद्रकांत साहू, जोन सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

निधन : श्रीमती दीपा सोनी

पाटन। पाटन निवासी श्रीमती दीपा सोनी का आज निधन हो गया । उनका अंतिम संस्कार 13 जून शुक्रवार को पाटन में सुबह 10 बजे किया जाएगा। वे किशोर कुमार सोनी की पुत्रवधू , विशाल सोनी की धर्म पत्नी एवं जगदीश सोनी की पत्नी थी।

शिक्षक कर रहे है बाबूगिरी, दिया जा रहा है नियम विपरीत वेतन : क्रिष्टोफर पॉल

राजनांदगांव। युक्तियुक्तकरण में हर दिन अनेकों गड़बड़ियां उजागर हो रहे है, कुछ लोगों को विषय बदलकर नियम विपरीत अनुचित लाभ दिलाया गया, तो कहीं शिक्षकों का नाम छिपाया गया, तो कहीं पद छिपाया गया और अब ट्रायबल की व्याख्याता को पांच माह से कार्यालय में रखकर बाबूगिरी करवाने और नियम विपरीत वेतन देने का मामला प्रकाश में आया है।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल पर आरोप लगाया है कि श्री बघेल के द्वारा कार्यालय में शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्राचार्यो से बाबूगिरी करवाया जा रहा है, जबकि शासन ने 5 जून से कार्यालयों से संलग्नीकरण समाप्त कर दिया गया है। बावजूद इसके जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कई शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्राचार्यो से बाबूगिरी करवाया जा रहा है, उन्हें अब तक उनके मूल शाला में नही भेजा गया। कई ऐसे भी शिक्षक है, जिनकी पदस्थापना डीईओ कार्यालय में नहीं है, उन्हें भी यहां शिक्षकीय कार्य के बजाए कराई जा रही बाबूगिरी और उनका वेतन व्यवस्था अन्य स्कूलों से की जा रही है, जो भारी वित्तीय अनियमितता है।

श्री पॉल ने अपने लिखित शिकायत में संयुक्त संचालक और कलेक्टर को बताया है कि श्रीमती कामिनी साहू, व्याख्याता, जीव विज्ञान जो कि शासकीय हाई स्कूल, मुकादाह, विकासखंड-मोहला, जिला मानपुर-मोहला-अं. चौकी यानि आदिवासी विकासखंड की कर्मचारी थी, जो विगत पांच माह से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, राजनांदगांव, यानि शहरी क्षेत्र में पदस्थ है और उसे नियम विपरीत वेतन दिया जा रहा है, जबकि आदिवासी विकासखंड से शहरी क्षेत्र में यानि आदिवासी क्षेत्र से एज्युकेशन शहरी क्षेत्र में स्थानांतरण का कोई प्रावधान ही नहीं है।

श्री पॉल का कहना है कि जिस स्कूल से श्रीमती कामिनी को लाया गया है, वहां आज भी जीव विज्ञान पढ़ाने वाला कोई शिक्षक नहीं दिया गया है, जबकि अब ग्रामीणों ने प्रस्ताव पारित कर इस स्कूल में जीव विज्ञान की शिक्षक की मांग की है। बावजूद इसके इस स्कूल को शिक्षक नहीं दिया गया, यानि युक्तियुक्तकरण के तहत भी इस व्याख्याता और उनके स्कूल की जानकारी छिपाया गया।

श्री पॉल ने संयुक्त संचालक और कलेक्टर से लिखित शिकायत कर श्रीमती कामिनी साहू की रिलिविंग, ज्वानिंग और वेतन व्यवस्था की जांच कर सभी दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की है, क्योंकि ट्राइबल (आदिवासी) शिक्षिका को शिक्षा विभाग में रखकर नियम विरुद्ध वेतन आहरण करना भारी वित्तीय अनियमितता है।

शीतला सामुदायिक भवन निर्माण हेतु सरपंच नंदकुमारी ठाकुर ने किया भूमि पूजन

साजा (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत बरगा में शितला सामुदायिक भवन निर्माण का भूमि पूजन विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम सरपंच नंदकुमारी ठाकुर के नेतृत्व में पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सरपंच नंदकुमारी ठाकुर, उपसरपंच प्रतिनिधि कमलेश साहू सहित ग्राम के जनप्रतिनिधि डोमार वर्मा, दादु साहू, जोहन पाल, श्रवण साहू , पं. नीलधर तिवारी एवं

ग्रामीणजन अंतराम साहू, गौतम साहू, सम्मन वर्मा, हेमंत साहू, थानसिंह साहू, भागवत साहू, अरूण साहू, अजय साहू, मोनू साहू, दादु वर्मा, उत्तम वर्मा तथा सूरज साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। सामुदायिक भवन की स्वीकृति एवं विकास कार्यों में सहयोग के लिए समस्त ग्रामवासियों ने छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरूण साव के प्रति आभार प्रकट किया।

किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों की दी गई जानकारी

विकसित कृषि संकल्प अभियान का हुआ समापन

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान 12 जून तक आयोजित किया गया। अभियान के अंतिम दिन पथरिया विकासखण्ड के ग्राम डाड़गॉव और चन्द्रगढ़ी में अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. पी.के. सिंह ने किसानों को मिट्टी परीक्षण, उन्नत बीज, जैविक खेती और लागत में कमी लाने वाली कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूमि के तत्वों का विश्लेषण कर ही उपयुक्त फसल और खाद का चयन किया जा सकता है।

वरिष्ठ कृषि अधिकारी एल. के. कोशले एवं उद्यानिकी अधिकारी आर. एस. नेताम ने किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड, जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट तथा एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीकों के उपयोग पर बल दिया और किसानों को आर्थिक रूप में सशक्त होने प्रेरित किया। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग से डॉ. पाण्डेय द्वारा उन्नत नस्लों के पशुओं की जानकारी, टीकाकरण एवं चारा प्रबंधन पर प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान कृषि स्थाई समिति के सभापति सनी भार्गव, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित कृषक मित्रों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

सड़क हादसे में मौत होने पर सरकार 2 लाख देगी : टीआई वैष्णव

राहवीर योजना दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचने पर 25 हजार का इनाम

नवागढ़-,समय दशँन// ग्राम पंचायत सेमरा में सड़क सुरक्षा और रहवीर योजना पर विशेष बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता नवागढ़ थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने की उन्होंने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी घायलों की मदद करने वाले को शासन द्वारा दी जाने वाली 25000 की सम्मान राशि की जानकारी भी थी थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि राहवीर योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल को समय पर अस्पताल पहुंचना है तो सरकार उसे ?25000 देती है या योजना घायलों को समय पर इलाज दिलाने और आम लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि कई बार घायलों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंच जाता है जिसे जान पर बन आती है ऐसे में राहवीर योजना निस्वार्थ स्वभाव से मदद करने वालों को सम्मानित करती है। यह योजना समाज में सकारात्मक संदेश देती है। बैठक में सड़क सुरक्षा मितान योजना की भी जानकारी दी इसके तहत आम लोगों से ट्रैफिक्र नियमों से पालन में सहयोग की अपील की थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि सड़क पर सुरक्षित यात्रा तभी संभव है जब वाहन चालक और राहगीर दोनों नियमों का पालन करें उन्होंने नाबालिक द्वारा वाहन चलाने को खतरे कभी रेखांकित किया।वाहन मालिकों से भी किसी भी हालत में नाबालिकों को वहां न चलने देने की गुजारिश की सभी वाहन चालकों से अपील की गई कि वह अपने ड्राइविंग लाइसेंस इंश्योरेंस और अन्य दस्तावेज सही रखें दुर्घटना से भी बचाव के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट उपयोग जरूरी बताया और सभी वाहन चालकों से शराब पीकर वाहन न चलने की लिए बताया गया शराब क्योंकि शराब पी के वाहन चलाने से आए दिन दुर्घटना हो रही है जिससे मौतो का आंकड़ा बढ़ते जा रहे हैं।कार्यक्रम मे थाना प्रभारी द्वारा सड़क मितानों को चयनित किया गया एवं सभी सड़कों सड़क मितानों को प्रशस्ति पत्र देकर एवं कीट देकर सड़क दुर्घटना होने पर तत्काल पहुंचे के मदद करने की अपील की इस अवसर पर नवागढ़ थाना स्टाफ आरक्षक चन्द्रमणि कश्यप, जनक कश्यप महिला आरक्षक रचना शांते ग्राम पंचायत सेमरा के सरपंच शिवेंद्र प्रताप सिंह अवरीद सरपंच प्रतिनिधि श्याम धीवर,तेंदुआ सरपंच बबलू सिंह ग्राम पंचायत सेमरा के पंच करण कश्यप सहतेरु खन्ना,सनत कश्यप विजय कश्यप, जितेंद्र दास, रंतिदेव चौबे वेदप्रकाश तिवारी, प्रभात सिंह, टिंकू सिंह, ग्रामीण सूरज साहू,विक्रम कश्यप, करन साहू,प्रवीण चौबे सहित अन्य मौजूद रहे।

कलेक्टर का करेली छोटी दौरा : ग्रामीणों ने की मिनी स्टेडियम की मांग

कलेक्टर ने गांव के सेटलमेंट प्लान का अवलोकन किया

देश-विदेश में पहचान दिलाने होंगे प्रयास

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी

धमतरी छत्तीसगढ़। प्रदेश के सबसे व्यवस्थित माने जाने वाले धमतरी जिले के मगरलोड विकासखण्ड के करेली छोटी गांव पहुंचकर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने गांव की बसाहट, बिजली-पानी, सड़क जैसी व्यवस्थित मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर ने 1942 के गांव के सेटलमेंट प्लान का भी अवलोकन किया और आश्चर्य जताया कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के गठन के पहले से ही इस तरह की योजना से गांव को बसाया गया है। अपने दौरे पर कलेक्टर ने करेली छोटी के निवासियों से भी बात की। उन्हें गांव को खुशहाल,

समृद्धशाली और साफ बनाये रखने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ग्रामवासियों ने गांव में मिनी स्टेडियम बनाने की मांग कलेक्टर से की। श्री मिश्रा ने ग्रामीणों की मांग से शासन को अवगत कराने और उसकी स्वीकृति के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजने का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने जिले के इस गांव को देश-विदेश में पहचान दिलाने के लिए भी प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस गांव की खूबियों के लिए इसे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कराने नामांकित भी किया जाएगा। उन्होंने गांव में छोटे उद्योग लगाकर रोजगारमूलक गतिविधियों को बढ़ाने की योजना के बारे में भी बताया।

उल्लेखनीय है कि करेली छोटी गांव धमतरी ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का सबसे व्यवस्थित बसाहट वाला गांव है। यह बड़े शहरों की तर्ज पर सेक्टरों में बंटा है। गांव में ड्रेनेज सिस्टम, चौड़ी सड़कें, बिजली-पानी की सप्लाई सभी व्यवस्थित तरीके से की गई हैं। ग्रामीण बताते हैं कि पहले महानदी के तट पर बसा यह गांव हर साल बरसात में बाढ़ के कारण डूब जाता था, जिससे ग्रामीणों को घर से बेघर होना पड़ता था।

कलेक्टर ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र एवं एसडीएम-तहसील कार्यालय अकलतरा का औचक निरीक्षण

नवजात शिशुओ का नियमित टीकाकरण करने के दिए निर्देश, राजस्व के प्रकरणों को गंभीरता के साथ निराकरण करने के निर्देश

अस्पताल में ड्रेनेज नाली की सफाई और मरम्मत सुनिश्चित करने के सीएमओ को दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज अकलतरा विकासखंड अंतर्गत स्व. कुंवर भुवन भास्कर सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकलतरा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पाताल परिसर का निरीक्षण के दौरान पाया कि जगह-जगह पर कचरा फैला हुआ है और नालियां जाम हो चुकी है। कलेक्टर ने अस्पताल में ड्रेनेज नाली के बंद होने एवं फैली गंदगी पर नाराजगी जताते हुए सीएमओ को दो दिन के भीतर मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लेबर रूम में सीपेज की समस्या को लेकर उन्होंने एसडीएम को नगर पालिका अधिकारी से समन्वय कर शीघ्र मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, बच्चों की स्थिति और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र एवं एसडीएम-तहसील कार्यालय अकलतरा का भी निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने आज निर्माणाधीन अस्पताल भवन एवं ऑपरेशन थियेटर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी होने की जानकारी एवं चिकित्सकीय सुविधाओं के उपकरण, जरूरत की वस्तुओं की जानकारी की कार्ययोजना बनाकर विभागीय बैठक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने लैब में शासन द्वारा निर्धारित सभी

टेस्ट प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नेत्र विभाग, पुरुष एवं महिला चिकित्सा कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, पुरुष वार्ड, ड्रेसिंग रूम, दंत चिकित्सा कक्ष, एक्स-रे कक्ष, पैथोलॉजी लैब, आयुष्मान कक्ष एवं दवा वितरण काउंटर का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिला वार्ड में भर्ती महिलाओं से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और नवजात शिशुओं के नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्री महोबे ने पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती शिशु की माताओं से बातचीत कर मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली और उपस्थित अधिकारियों को मातृ एवं शिशु पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने एसडीएम एवं तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण- कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज तहसील कार्यालयों का निरीक्षण कर नामांतरण, बंटवारा एवं त्रुटि सुधार से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने इन प्रकरणों का समयसीमा में त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कुछ लंबित प्रकरणों का स्वयं अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड रूम को व्यवस्थित एवं साफ-सुथरा बनाए रखने, राजस्व अभिलेखों को अद्यतन रखने तथा कोई भी मामला अपंजीकृत न रहने के निर्देश तहसीलदार श्री शशिभूषण सोनी, अतिरिक्त तहसीलदार शालिनी तिवारी, नायब तहसीलदार को दिए। इसके साथ ही उन्होंने शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने और भूमि को संरक्षित रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कहा कि रिकॉर्ड का समुचित रख-रखाव व संधारण करने के साथ ही तहसील कार्यालय की माल जमादार, कानूनगो, नकल शाखाओं में जाकर रिकॉर्ड का अवलोकन किया। उन्होंने रीडर, भू अभिलेख, खाद्य शाखा, स्थापना, नाजिर शाखाओं के रिकॉर्ड का बारीकी से अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय अकलतरा में प्रत्येक सप्ताह को आयोजित होने वाले राजस्व समाधान शिविर में उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान अकलतरा एसडीएम श्री विक्रांत अंचल सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

शहर से सौ किमी दूर पंडोपारा के स्कूल में दूर हुई शिक्षको की कमी

शिक्षकविहीन नहीं रहा कोरबा जिले का कोई भी विद्यालय

अब हमारे बच्चे बेकार नहीं बैठेंगे: मंगल सिंह

रायपुर (समय दर्शन)। कोरबा शहर से लगभग सौ किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच पंडोपारा में जब स्कूल खुला तब यहाँ रहने वाले पंडो समाज के लोगो में न सिर्फ अथाह खुशी थी, अपितु वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर भी सुकून और राहत महसूस कर रहे थे। अपने गाँव में स्कूल पाकर वे अपने बच्चों को स्कूल भी भेजने लगे, लेकिन इस विद्यालय में बनी शिक्षको की कमी उन्हें अक्सर चिंतित करती रहती थी, क्योंकि उनके बच्चे पाठशाला तो नियमित जाते थे, लेकिन विद्यालय में एकमात्र शिक्षक होने का खमियाजा भी बच्चों को भुगतना पड़ता था। कभी किसी कारण से शिक्षक के अवकाश में होने के कारण बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता था तो कभी उन्हें कमरे में बिना क्लास या पढ़ाई के घण्टो समय बितानी पड़ती थी। लिहाज़ा बच्चों के साथ माता-पिता भी चिंतित थे कि उनके गाँव के विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक नहीं है। आखिरकार जब मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में ऐसे शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालयों की सुध ली गई तो युक्ति युक्तकरण जैसी व्यवस्था ने घने जंगलों में बसे पंडो जनजाति के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की राह आसान कर दी। अतिशेष शिक्षको के समायोजन से पंडोपारा ही नहीं कोरबा जिले के लगभग 300 एकल शिक्षकीय और शिक्षकविहीन विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के भाग्य बदल दिए है, जिसका लाभ इस शिक्षण सत्र से मिलने लगेगा।

राज्य शासन के दिशा निर्देशों के तहत कोरबा जिले में युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया पूरी की गई है। इस प्रक्रिया का लाभ जिले के सभी शिक्षक विहीन विद्यालयों को मिला। अब कोरबा जिले में कोई भी विद्यालय शिक्षकविहीन नहीं है। युक्ति युक्तकरण से प्राथमिक शाला के 14 शिक्षकविहीन और 287 एकलशिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। मिडिल स्कूलों में भी 4 शिक्षकविहीन और 20 एकलशिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। अब सभी मिडिल स्कूलों में कम से कम 3 शिक्षक और दूरस्थ क्षेत्र के प्राथमिक शालाओ में दो सहायक शिक्षक बच्चों को अध्यापन कराएंगे। शासन की इस पहल से जिले के दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में बनी शिक्षको की कमी भी दूर हो गई है। ऐसे ही पाली ब्लॉक के अंतर्गत अंतिम छोर ग्राम उड़ान से आगे पण्डो जनजाति के बसाहट पंडोपारा में एक प्राथमिक शाला है। शासन ने इस दूरस्थ गाँव में पाठशाला खोलकर पंडो समाज के बच्चों को शिक्षा से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्य धारा में लाने की पहल तो की, लेकिन यहाँ बनी शिक्षक की कमी से विगत कई वर्षों तक बच्चों को जूझना पड़ा। हालांकि आसपास के विद्यालयों व अन्य व्यवस्थाओं से यहाँ अध्यापन तो कराया गया, लेकिन यह नाकाफी ही थी। पंडोपारा के ग्रामीण मंगल सिंह पंडो ने बताया कि गाँव में स्कूल संचालित होने पर सभी खुश थे। कई साल तक यहाँ एक शिक्षक ही पढ़ाते रहे हैं, जिससे अन्य कक्षा के विद्यार्थी खाली बैठने को मजबूर रहते थे। कई बार किसी आवश्यक काम से उक्त शिक्षक के अवकाश में रहने से भी व्यवस्था बिगड़ जाती थी। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों को पास के ही स्कूल में भेज सकते हैं, इसलिए यहाँ का स्कूल हमारे लिए महत्वपूर्ण था मगर शिक्षक की कमी से यहाँ की अध्यापन व्यवस्था हमेशा बिगड़ती रही है। मंगल सिंह ने बताया कि उन्हें मालूम हुआ है कि अब गाँव के इस स्कूल में नए शिक्षक भी आ रहे हैं, यह बहुत खुशी की बात है। दो शिक्षक होने से क्लास में सभी बच्चों की पढ़ाई होगी। कोई खाली नहीं बैठेगा। इसी विद्यालय में कक्षा चौथी के छात्र जगदेश्वर पंडो, तीसरी कक्षा के राजेन्द्र और कक्षा दूसरी के मुकेश पंडो को भी खुशी है कि उनके स्कूल में इस सत्र से नए गुरुजी पढ़ाने को आएंगे।

नियद नेल्लानार योजना: रोशनी से जगमगाया मुदवेंडी गांव

रायपुर (समय दर्शन)। वर्षों तक माओवाद की पीड़ा में सिसकते रहे बीजापुर जिले का छोटा सा गांव मुदवेंडी अब बदलाव की मिसाल बन गया है। जिला मुख्यालय से करीब 35-40 किलोमीटर दूर स्थित यह गांव अब न केवल शुद्ध पेयजल और पक्की सड़क से जुड़ चुका है, बल्कि अब यहां बिजली की रोशनी ने भी दस्तक दे दी है। इस गांव में केवल 45 परिवार रहते हैं, पर इनके जीवन में हाल के दिनों में जो परिवर्तन आया है, वह अभूतपूर्व है। पहले जहां शाम होते ही अंधेरा छा जाता था और रात में एक कदम चलना भी जोखिम भरा होता था, वहीं अब बिजली आने से न केवल घरों में उजाला हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के दिलों में भी उम्मीद की लौ जल उठी है।

माओवाद से सुशासन तक की यात्रा- लंबे समय तक माओवादी हिंसा की वजह से विकास की मुख्यधारा से कटे रहे इस गांव में अब सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचने लगी हैं। यह बदलाव केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर सामाजिक और शैक्षणिक जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। गांव के निवासी हुंरा कुंजाम बताते हैं, हमारे गांव में वर्षों बाद बिजली पहुंची है। पहले जहां अंधेरे में बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती थी, अब रात को भी बच्चे आराम से पढ़ाई कर रहे हैं। साथ ही सांप-बिच्छू और जंगली जानवरों के खतरे से भी अब राहत मिली है। हुंरा कुंजाम बताते हैं कि नियद नेल्लानार योजना के तहत वर्षों से बंद पड़ा स्कूल अब पुनः प्रारंभ हो चुका है। एक पीढ़ी के अंतराल के बाद गांव के बच्चों को अब अपने गांव में ही शिक्षा का अवसर मिल रहा है। ग्रामीणों के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है।

खुशी का माहौल, उम्मीदों की नई सुबह- गांव के ही लखमा कुंजाम का कहना है, बिजली आने से गांव में उत्सव का माहौल है। अब रात्रि में भी घर के काम आसानी से हो जाते हैं, बच्चे पढ़ते हैं और गांव पहले से कहीं अधिक सुरक्षित महसूस करता है।

नियद नेल्लानार योजना: उम्मीद की किरण- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा माओवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए शुरू की गई नियद नेल्लानार योजना वास्तव में अब एक क्रांतिकारी बदलाव की वाहक बन चुकी है। इस योजना के तहत न केवल विकास के कार्य हो रहे हैं, बल्कि ग्रामीणों को सुरक्षा, विश्वास और आत्मनिर्भरता की नई राह भी मिल रही है। मुदवेंडी गांव की यह कहानी बताती है कि जब शासन की नीयत साफ हो और योजनाएं ज़मीन पर उतरें, तो दूरस्थ अंचलों में भी बदलाव की किरण पहुंच सकती है।

संतु चक्रेस को मिला सपनों का आशियाना, मुख्यमंत्री से पक्के मकान की चाबी पाकर भावुक हुए बुजुर्ग

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण न सिर्फ जरूरतमंदों को पक्का मकान दे रही है, बल्कि उनके सपनों को भी नया ठौर और आत्म-सम्मान दे रही है। ऐसी ही एक कहानी है जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के ग्राम दोकड़ा निवासी 70 वर्षीय संतु चक्रेस की।

वर्षों तक कच्चे घर में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाले बुजुर्ग संतु चक्रेस आज बेहद प्रसन्न हैं क्योंकि उन्हें उनका पहला पक्का घर मिल गया है। खास बात यह रही कि इस घर की चाबी उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के हाथों से मिली, जब वे हाल ही में जशपुर प्रवास पर थे। भावुक संतु चक्रेस ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उम्र के इस पड़ाव में जब चिंता से मुक्त होकर जीना चाहता है, तब यह पक्का मकान मेरे लिए भगवान का आशीर्वाद है। अब मुझे और मेरे परिवार को न तो बारिश से डर है और न ही जहरीले जीव-जंतुओं से। अब हमारा भी एक सुरक्षित और मजबूत आशियाना है।

संतु चक्रेस ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ था, जो अब पूर्ण रूप से बनकर तैयार है। यह महज एक मकान नहीं, बल्कि उनके लिए आत्म-सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक है। वर्षों तक झोपड़ी जैसे घर में जीवन बिताने के बाद जब उन्हें अपना खुद का ठोस छत मिला, तो उनके चेहरे की खुशी देखने लायक थी।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ रायपुर पुलिस की साइबर टीम ने किया है। ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत छत्तीसगढ़ पुलिस ने झारखंड, गुजरात और आंध्रप्रदेश में एक साथ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

2.66 करोड़ की साइबर ठगी का मामला- प्रार्थी हेमंत कुमार जैन ने रायपुर के गुढियारी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ?2.66 करोड़ की ठगी की गई है। मामले में धारा 318(4), 3(5) भा.न्या.सं. के तहत केस दर्ज कर जांच को रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपा गया।

तकनीकी साक्ष्यों से आरोपियों की हुई पहचान- पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर टीम ने तकनीकी विश्लेषण कर मुख्य आरोपियों की पहचान की।

शेख सुरज बाबा | शर्मा अशोक खैरातीलाल | प्रियंक जितेंद्र कुमार ब्रह्मभट्ट | नागेन्द्र कुमार महतो

सभी आरोपी ठगी के बाद अलग-अलग राज्यों में स्थान बदलकर रह रहे थे। इसके बाद पुलिस टीमें हजारीबाग (झारखंड), अहमदाबाद और गांधीनगर (गुजरात), ईस्ट गोदावरी (आंध्रप्रदेश) भेजी गईं, जहां एक साथ रेड कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी और उनकी पृष्ठभूमि- अशोक खैराती लाल शर्मा ङ्क अहमदाबाद, गुजरात नागेंद्र कुमार महतो ङ्क हजारीबाग, झारखंड शेख बाबा ङ्क मन्डापेटा, ईस्ट गोदावरी, आंध्रप्रदेश

प्रियांक ब्रह्मभट्ट - पाटण, गुजरात- इनमें से शेख बाबा स्क्र कर चुका है और प्रियांक ङ्क्ष ग्रेजुएट है। नागेंद्र और अशोक ट्रांसपोर्ट और वेयरहाउस से जुड़े रहे हैं। ये सभी एक-दूसरे से जुड़े और जल्दी पैसा कमाने की लालच में साइबर ठगी में संलिप्त हो गए।

संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई शुरू- ठगी की रकम से खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज पुलिस ने जब्त कर लिए हैं और अटैचमेंट की कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों से आधार कार्ड, कंप्यूटर, स्कैनर, प्रिंटर और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

ऑपरेशन साइबर शील्ड की बड़ी सफलता- रायपुर रेंज पुलिस के लिए यह ऑपरेशन साइबर शील्ड के अंतर्गत एक और बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि साइबर अपराधों के खिलाफअब पुलिस सिर्फ तकनीकी रूप से नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी पूरी तरह तैयार है।

25 जून तक आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग से जारी होगा पदस्थापना आदेश

छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना में पारदर्शिता बरती जाए: रामविचार नेताम

रायपुर (समय दर्शन)। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि वर्ष 2022, 2023 एवं 2025 में पदोन्नत हुए छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को काउंसलिग के माध्यम से संपन्न कराया जाए। मंत्री नेताम ने यह निर्देश मंगलवार को आदिम जाति तथा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर में 19 जिलों के सहायक आयुक्त एवं परियोजना प्रशासकों के साथ विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 3357 छात्रावास-आश्रमों में छात्रावास अधीक्षक रीढ़ के समान है। इस पर संबंधित संस्था के सुचारू रूप से संचालन की सबसे प्रमुख जिम्मेदारी होती है। अतः इनकी नियुक्ति, सेवा शर्तें, पदोन्नति एवं पदस्थापना संबंधी कार्यों पर प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है। मंत्री नेताम ने कहा कि वर्ष 2022 में आयुक्त कार्यालय के आदेश द्वारा कुल 491 छात्रावास अधीक्षकों को श्रेणी द से श्रेणी स के पद पर पदोन्नत किया गया है, परन्तु इनकी पदस्थापना अभी तक नहीं हो पाई, क्योंकि कुछ जिलों में स्वीकृत पद से अधिक अधीक्षक नियुक्त थे कई जगह पो.मैट्रिक संस्थाओं में रिक्त पदों की संख्या पर्याप्त नहीं थी। इसके साथ ही पदस्थापना के संबंध में कई प्रकार की अनियमितताओं की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। पदस्थापना नहीं होने से अधीक्षकों की सेवा शर्तों संबंधी समस्याएं आ रही थी। इसी प्रकार अप्रैल 2025 में कुल 486 छात्रावास अधीक्षकों को श्रेणी द से श्रेणी स के पद पर पदोन्नत किया गया है। अब इन सभी पदोन्नत अधीक्षकों की पदस्थापना पारदर्शी तरीके से एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत् काउंसिलिंग के माध्यम से किये जाने हेतु मंत्री नेताम के निर्देश पर विभाग द्वारा निर्णय लिया गया है। इसके लिए जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय एवं राज्य स्तरीय समिति का गठन किए जाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष जिला कलेक्टर, संभाग स्तरीय समिति के अध्यक्ष संभागायुक्त एवं राज्य स्तरीय समिति के अध्यक्ष आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित विकास विभाग होंगे।

जिला स्तरीय समिति को 12-13 जून से प्रक्रिया प्रारंभ कर 16 जून तक संपन्न करने के निर्देश दिए गए हैं इसी प्रकार संभाग स्तरीय समिति 17-18 जून से 19-20 जून तक एवं राज्य स्तरीय समिति को 20-21 जून से लेकर 22-23 जून तक प्रक्रिया संपन्न करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला स्तरीय समिति एवं संभाग स्तरीय समिति द्वारा जारी पदस्थापना प्रस्ताव को जिला मुख्यालय में कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त कार्यालय एवं संभाग मुख्यालय में संभागीय आयुक्त एवं सहायक आयुक्त संभाग मुख्यालय के कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करेंगे। उक्त प्रस्तावों पर किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति होने पर आवेदक राज्य स्तरीय समिति के समक्ष सूची प्रकाशन के 02 दिवस के भीतर अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

राज्य स्तरीय समिति प्राप्त अभ्यावेदन का निराकरण 02 दिवस के भीतर कर आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर को पदस्थापना सूची जारी करने हेतु प्रतिवेदन देगी। राज्य स्तरीय समिति के द्वारा जारी अनुशंसित सूची में कोई त्रुटि या आपत्ति होने पर आवेदक विभाग के भारसाधक सचिव के समक्ष सूची जारी होने के 02 दिवस के भीतर अभ्यावेदन प्रस्तुत करेंगे, जिस पर भारसाधक सचिव द्वारा नियमानुसार अभ्यावेदन का निराकरण किया जाएगा। इस प्रकार प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न होगी। प्रत्येक समिति के दायित्व एवं अन्य नियम-शर्तों का विस्तार से उल्लेख शासन द्वारा जारी आदेश में किया गया है। आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा 25 जून तक पदस्थापना आदेश भी जारी कर दिया जाएगा। काउंसलिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा स्वयं पूरी प्रक्रिया की सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए 2025 होगा 'अब तक का सबसे बड़ा साल', भारत में ग्रोथ को नई रफ्तार देने की तैयारी, ग्राहकों के करीब, भविष्य के लिए तैयार स्कोडा

नईदिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 दुनियाभर मेंस्कोडा ऑटोके लिए खास मायने रखता है। जहां कंपनी अपने समृद्ध 130 साल के इतिहास का जश्न मना रही है, वहीं भारत में स्कोडा ऑटो को सफलतापूर्वक 25 साल पूरे हो गए हैं। ग्राहकों के और करीब पहुंचने की रणनीति को आगे बढ़ाते हुएस्कोडा ऑटो इंडियाने भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम ब्रांड, प्रॉडक्ट, नेटवर्क और ग्राहक-केंद्रित पहलों की रूपरेखा तैयार की है। इस मौके परस्कोडा ऑटो इंडियाके ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, यूरोप के बाहर भारत स्कोडा ऑटो के लिए सबसे अहम ग्रोथ मार्केट है। हमारा फोकस एक ऐसा मजबूत और भविष्य के लिए तैयार ब्रांड बनाने पर है, जिसमें उद्देश्य की स्पष्टता, सोच में पारदर्शिता और काम को तेजी से अंजाम देने की क्षमता हो। हमारे प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो की आक्रामक रणनीति लगातार बदलती ग्राहकों की जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप है, जो हमारे विकास के सफर को गति दे रही है। उन्होंने आगे कहा, हम अपने ग्राहकों के और करीब आ रहे हैं, अपने नेटवर्क का रणनीतिक रूप से विस्तार कर रहे हैं और गुणवत्ता, सुरक्षा और भरोसे की अपनी विरासत को और मजबूत बना रहे हैं। बिजनेस के हर पहलू में नई ऊर्जा के साथ, 2025 हमारे लिए वह साल होगा जब हम भारत में स्कोडा ब्रांड को और सशक्त बनाकर नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

आक्रामक प्रॉडक्ट रणनीति : स्कोडा ऑटो इंडिया की आक्रामक प्रॉडक्ट रणनीति का मकसद 'हर किसी के लिए 'एसयूवी' पेश करना और अपनी सेडान की विरासत को और आगे ले जाना है। काइलेक, कुशाक और कोडिएक जैसे मॉडल हर तरह की एसयूवी चाहत और कीमत के हिसाब से ग्राहकों की जरूरतें पूरी कर रहे हैं। वहीं स्लाविया और जल्द लॉन्च होने वाली 'ग्लोबल आइकॉन' के जरिए कंपनी अपनी सेडान विरासत को और मजबूती देगी।

सैमसंग ने बीस्पोक एआई उपकरणों के लिए सैमसंग फाइनेंस+ की पेशकश की, भारतीय उपभोक्ताओं को मिलेगी डिजिटल फाइनेंसिंग की सुविधा

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपने लोकप्रिय डिजिटल लेंडिंग प्रोग्राम, सैमसंग फाइनेंस+ का विस्तार किया है। यह प्रोग्राम लोगों को सैमसंग के बीस्पोक एआई उपकरणों आसानी से खरीदने में मदद करता है। बैंगलोर और दिल्ली में सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट द्वारा बनाया गया, सैमसंग फाइनेंस+ फाइनेंसिंग का पूरी तरह डिजिटल और आसान अनुभव देता है, जिसमें 15 मिनट में लोन मिल जाता है। यह प्रोग्राम बिना कागजी कार्रवाई के तेज़ी और आसानी से लोन प्रदान करता है। फाइनेंसिंग से ग्राहकों को सैमसंग के नए एआई-इनेबल्ड उपकरण जैसे रेफ्रिजरेटर्स, वाशिंग मशीनें और एयर कंडिशनर्स आसानी से मिलेंगे। सैमसंग फाइनेंस+ को वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि ग्राहकों को कम से कम कागजी कार्रवाई में फौरन लोन स्वीकृति मिल सके। सैमसंग फइनेंस+ के लोन डीएमआई फाइनेंस जैसे बड़े वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर दिए जाते हैं, जो डिजिटल लोन में माहिर हैं, ताकि ग्राहकों को तेज़ और सुगम अनुभव मिले। गुफ्रान आलम, वाइस प्रेसिडेंट, डिजिटल अप्लायंसेज, सैमसंग इंडिया ने कहा, सैमसंग में, हम पूरे भारत में उपभोक्ताओं तक प्रीमियम टेक्नोलॉजी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सैमसंग फइनेंस+ हमारी इस सोच का प्रमाण है। डिजिटल नवाचार और आसान पहुंच के साथ, हम फाइनेंसिंग की प्रक्रिया को सरल बना रहे हैं और वित्तीय समावेशन बढ़ा रहे हैं, ताकि उपभोक्ता हमारे बीस्पोक एआई उपकरणों, जैसे रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और एयर कंडीशनर की मदद से अपनी लाइफस्टाइल को और बेहतर बना सकें।

सैमसंग फाइनेंस+ कैसे काम करता है- उपभोक्ता samsung.com या रिटेल स्टोर्स पर कुछ आसान चरणों में सैमसंग फइनेंस+ के माध्यम से लोन ले सकते हैं। रिटेल स्टोर्स पर, उपभोक्ताओं को सैमसंग फइनेंस+ डेस्क पर केवाईसी सत्यापन के लिए अपने ई- दस्तावेज जमा करने होंगे। सत्यापन और क्रेडिट स्कोरिंग प्रक्रिया पूरी होने पर, 15 मिनट में लोन स्वीकृत हो जाता है। उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार ईएमआई के लचीले विकल्प भी उपलब्ध हैं। यह आसान प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि ग्राहक बिना किसी वित्तीय दबाव के अपनी पसंद के सैमसंग उपकरण जल्दी खरीद सकें।

आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मेमोरियल सेंटर ने विशाखापट्टनम में उन्नत कैंसर केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी

विशाखापट्टनम: आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल सेंटर (TMC) के साथ साझेदारी में आज विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (HBCHRC) में एक नए भवन के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। बैंक ने लगभग 3.9 लाख वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त भवन के निर्माण के लिए 550 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की है। निर्माणाधीन आठ मंज़िला भवन — आईसीआईसीआई फाउंडेशन ब्लॉक फॉर चाइल्ड एंड ब्लड कैंसर — प्रति वर्ष लगभग 3,000 मरीजों का उपचार करेगा। वर्तमान में एचबीसीएचआरसी, विशाखापट्टनम की क्षमता 6,200 मरीजों की है। यह नया भवन पूर्वी भारत के सबसे बड़े विशेषीकृत कैंसर उपचार केंद्रों में से एक होगा, जिसमें 215 से अधिक बेड होंगे। इसके 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है, जो अनुमोदनों के अधीन है। इस परियोजना का संचालन आईसीआईसीआई बैंक की सीएसआर शाखा, आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ द्वारा किया जाएगा। इस भवन की आधारशिला आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने रखी। इस अवसर पर श्री संदीप बत्रा, कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक; और डॉ. सुदीप गुप्ता, निदेशक, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई भी उपस्थित थे। श्री सिन्हा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एन.के. राव ऑडिटोरियम का भी उद्घाटन किया। आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने नए ऑडिटोरियम के लिए बुनियादी ढांचे और उपकरणों के साथ टीएमसी को सपोर्ट दिया है। आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने कहा, हमें कैंसर देखभाल के लिए टीएमसी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो देश में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की हमारी फिलोस्फी के अनुरूप है।

संपादकीय

पीओके वापस लौटेगा

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोगों को भारतीय परिवार का हिस्सा बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिन दूर नहीं जब वे खुद भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ के बिजनेस समिट में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि हमारा मानना है कि हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस लौटेगा और कहेगा, मैं भारत हूं, वापस आ गया हूं। सिंह ने कहा कि वहां रहने वाले हमारे इन भाइयों की हालत कुछ ऐसी है, जैसे महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह की थी। जैसा कि महाराणा प्रताप शक्ति के अलग हो जाने पर कहते थे-तब कुपथ को छोड़, सुपथ पर स्वयं चला आएगा, मेरा ही भाई है मुझ से दूर कहां जाएगा। लेकिन महाराणा के भाई की याद करते हुए भूलना नहीं होगा कि रावण का भाई विभीषण ही उसके अंत का कारण बना था। पाकिस्तान पर सैन्य हमले, स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बेहतरीन प्रदर्शन और पहली दफा दुश्मन मुल्क में घुस कर आतंकवादी ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई से तय रूप से भारत के हौंसलों को बल मिला है। पाकिस्तान के आंतरिक हालात, राजनीतिक अस्थिरता, मंहगाई और बेरोजगारी से अवाम त्रस्त है। पीओके के उत्तरी इलाकों गिलगित, बाल्टिस्तान, डायमिर, गीजर और घांचे में तकरीबन पंद्रह लाख आबादी है। भारत विभाजन के बाद ही पाक ने जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर हमला कर दिया था। तब से यह इलाका विवादों से घिरा है पर कश्मीर के तकरीबन 35त्न हिस्से पर पाक का कब्जा है परंतु भारत इसे अपना अभिन्न हिस्सा मानता है। यहां की आबादी मुख्यतया मुसलमानों की है, चुनिंदा ईसाई रहते हैं। उनके स्वयं भारत आने का इस तरह की काल्पनिक बातें करने से पहले केंद्रीय मंत्री को देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों के प्रति सहिष्णुता दिखानी सीखना होगा। भाजपा के कार्यकाल में हो रहे सांप्रदायिक पक्षपात की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत-पाक के बीच संघर्ष व युद्ध विराम को दोनों मुल्कों की सरकारें जुबानी वाद-विवाद तथा आरोप-प्रत्यारोप द्वारा अपने-अपने देशवासियों को प्रभावित करने में भरसक जुटी दिख रही हैं। यह कोई बर्लिन की दीवार नहीं है, जो विभाजन को नेस्तनाबूद करने के लिए झटके से गिरा दी जाए।

आतंक जांचेगा आतंकिस्तान

आश्चर्य है कि जिस देश का पर्याय नाम 'आतंकिस्तान' हो, जो आतंकियों की फंडिंग के गंभीर आरोपों में 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (फाट्फ) की 'ग्रे सूची' में तीन बार डाला जा चुका हो, जिस देश में 'अलकायदा' के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में, करीब 45,000 मासूम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर पाबंदियां चस्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हों, जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में, आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण समितियों में ओहदे दिए गए हैं। पाकिस्तान को 'तालिबान प्रतिबंध समिति' का अध्यक्ष और 'काउंटर टेररिज्म कमेटी' का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पिछली कमेटी में रूस और फ्रांस भी पाकिस्तान के साथ हैं और तालिबान वाली समिति में रूस और गयाना को भी रखा गया है। बेशक सुरक्षा परिषद की व्यवस्था कुछ भी हो और हर माह ये पदेन जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर विवेक और बुद्धि का जड़ होना बेहद गंभीर संकेत है। संयुक्त राष्ट्र ने ही पाकिस्तान के आतंकवाद पर कई बार सवाल उठाए हैं और हाफिज सईद, मसूद अजहर, जकी उर रहमान लखवी, सैयद सलाहुद्दीन सरीखे आतंकियों और उनके संगठनों को प्रतिबंधित कर रखा है। अमरीका ने कई पाकपरस्त आतंकियों पर महंगे इनाम की भी घोषणाएं कर रखी हैं, लिहाजा आश्चर्य होता है कि एक घोषित आतंकिस्तान सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य रहते हुए तालिबानी आतंकवाद की जांच करेगा और आतंकवाद से लडने् के सुझाव भी देगा, मुहिम भी चलाएगा! दिलचस्प यह है कि तालिबान आतंकी गुट के उभार और प्रश्रय में पाकिस्तान का पूरा योगदान रहा है। आज 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' नाम का आतंकी संगठन पाकिस्तान में ही सक्रिय है और बड़े-बड़े हमले, जानलेवा विस्फोट करता रहा है। पाकिस्तान के खैबर इलाके में इस संगठन का लगभग वर्चस्व है और वे पाकिस्तान के फौजियों की हत्याएं करते रहे हैं। अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान अध्यक्ष के तौर पर तालिबान के खिलाफनए प्रतिबंधों की सिफारिश किस आधार पर करेगा? अभी हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान की स्वयंभू तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की मुलाकात चीन के विदेश मंत्री ने अपने देश में कराई थी। चीन यह दोस्ती 'इस्लाम' के आधार पर करवा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान भारत के साथ अपने संबंध प्रगाढ़ रखना चाहता है। यही मलेशिया और इंडोनेशिया ने भी किया और पाकिस्तान की 'इस्लामी थ्योरी' को खारिज कर दिया। बेशक सुरक्षा परिषद की बैठकों में भारत पाकपरस्त आतंकवाद को बेनकाब करेगा। दरअसल कुछ बुनियादी गलतियां अमरीका ने की हैं। एक तरफअमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत-पाक को एक ही तराजू में तोलते हुए दोनों देशों को 'महान' करार देते हैं, तो दूसरी तरफअमरीका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर आतंकवाद के खिलाफ भारत को मजबूत समर्थन की बात करते हैं। अमरीकी सांसद ब्रेड शेरमैन पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को लताड़ लगाते हुए कहते हैं-'पाकिस्तान पहले जैश-ए-मुहम्मद को तो खत्म करे।' यदि अमरीका और चीन पाकिस्तान को समर्थन नहीं देते, तो सुरक्षा परिषद में यह ओहदेदारी पाकिस्तान को नहीं मिल सकती थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से भी अरबों के बेलआउट पैकेज पाकिस्तान को नहीं मिल सकते थे, यदि अमरीका मदद न करता। इसके मायने ये भी हो सकते हैं कि भारत की विदेश नीति पिछड़ गई है, क्योंकि अमरीका पाकिस्तान को ज्यादा भाव दे रहा है। अमरीका की यह दोगली कूटनीति है। एक ओर भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन आतंकवाद पर अमरीका दोगली नीति खेल रहा है। क्या जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी-ट्रंप दोगली कूटनीति-आतंकिस्तान पर बात करेंगे?

मोदी का 11वां साल: भारत के बदलाव में एक बड़ी उपलब्धि

हरदीप एस पुरी

लोकतंत्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे वंचितों और अल्पवंचितों तक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में उच्च मानकों पर खरे उतरें। भारत में यह कसौटी और भी कठोर है। कोई भी नारा बिना उद्देश्य के और कोई भी दावा बिना परिणाम के नहीं टिकता। वास्तविक बदलाव का फायदा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में, अंत्योदय (समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान) के लिए वोट किया जाता है। यही कारण है कि मोदी 3.0 के एक वर्ष में, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में मिले शानदार जनादेश केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि आज के भारत में, बयानबाजी नहीं, बल्कि काम करके भरोसा जीता जाता है।

%अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय% के दर्शन पर आधारित कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि देश के विकास में कोई भी भारतीय पीछे न छूट जाए। 25 करोड़ से अधिक लोगों को कई तरह की गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को ?3.68 लाख करोड़ से अधिक वितरित किए गए हैं। %लखपति दीदी% पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को सालाना ?1 लाख से अधिक आय प्राप्त करने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है।

जल जीवन मिशन के तहत, 15.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का नि:शुल्क स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) का विस्तार किया गया है, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें व्यापक स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा, इस योजना का विस्तार करके अग्रिम पंक्ति के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी इसमें शामिल किया गया। ये चौंका देने वाले आंकड़े केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि लाखों भारतीय घरों में बदलाव की कहानियां हैं। आतंकवादियों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति से संबंधित प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पहलगाम हमले के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में स्पष्ट थी, जहां आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था। देश ने नुकसान पर शोक व्यक्त किया, लेकिन एकजुट होकर ऑपरेशन सिंदूर को सटीकता और दबदबे के साथ अंजाम दिया, जिससे उसके आतंकवाद से लड़ने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के संकल्प की पुष्टि हुई। दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व द्वारा समर्थित भारतीय रक्षा बलों की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता देखी है।

दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति आत्मनिर्भरता के लिए रणनीतिक निवेश से मेल खाती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की व्यापक सटीकता, आंशिक रूप से कई वर्षों तक स्वदेशी रक्षा क्षमता पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण सक्षम हुई। 2014 के बाद, भारत के रक्षा विनिर्माण का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है, निर्यात में भारी बढ़ोतरी हुई है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ है। आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत, रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी), रक्षा उत्पादन और निर्यात प्रोत्साहन नीति (डीपीईपीपी) जैसे प्रमुख सुधार और कुछ क्षेत्रों के लिए 100त्न एफडीआई खोलने से घरेलू कंपनियों को फलने-फूलने में मदद मिली है।

ड्रोन और उसके कलपुर्जों के लिए दो विशेष पीएलआई योजनाओं की शुरुआत से अगली पीढ़ी के नवाचार को और भी बढ़ावा मिला है। आज, भारत द्वारा डिजाइन की गई मिसाइल प्रणाली, बख्तरबंद वाहन और नौसैनिक प्लेटफॉर्म न केवल हमारी सेनाओं में तैनात हैं, बल्कि 80 से अधिक देशों को निर्यात किए गए हैं। इससे ऐसे समय में क्षेत्रीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की छवि मजबूत हुई है, जब विश्वसनीय रक्षा भागीदारों पर वैश्विक भरोसा बहुत अधिक है।

विनिर्माण इसी नजरिये के केंद्र में है। भारत बड़े निवेश और सरकारी प्रोत्साहनों के कारण सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में ?27,000 करोड़ के निवेश से सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र बना रहा है, जिसके 2025 के मध्य तक परिचालन में आने और लगभग 27,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इस बीच, एचसीएल और फॉक्सकॉन का ?3,706 करोड़ का संयुक्त उद्यम उत्तर प्रदेश के जेवर में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए तैयार है, जो डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स पर ध्यान केंद्रित करेगी और इसका उत्पादन 2027 में शुरू होगा।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1.57 लाख से ज्यादा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। इनमें 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न और 3,600 से ज्यादा डीप-टेक वेंचर शामिल हैं जो एआई, बायोटेक और सेमीकंडक्टर पर केंद्रित हैं। अकेले हमारे अंतरिक्ष क्षेत्र में 200 से ज्यादा स्टार्टअप सामने आए हैं, जो एक भरोसेमंद इनोवेशन अर्थव्यवस्था के उदय का संकेत है। स्टार्टअप इकोसिस्टम ने पहले ही 17.2 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं और समस्या-समाधानकर्ताओं (प्रॉब्लम सॉल्वर्स) एवं उद्यमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया है।

इस बीच, भारत धीरे-धीरे दुनिया के सबसे जुड़े हुए लोकतंत्र के रूप में उभरा है। 80 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स और 136 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान कार्यक्रम बन गया है। अब हमारी वैश्विक डिजिटल पेमेंट में 46त्न हिस्सेदारी हो गई है, जो यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसने वित्तीय लेन-देन को सभी के लिए आसान बना दिया है। इन प्रणालियों ने न केवल नागरिकों को सशक्त बनाया है बल्कि शासन को और भी स्मार्ट, तेज और पारदर्शी बनाया है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में हमारी सरकार की निर्णय लेने की क्षमता साफ नजर आती है। कुल व्यय ?44.6 लाख करोड़ निर्धारित किया गया, जिसमें पूंजीगत व्यय को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाकर ?10 लाख करोड़ किया गया। कर छूट को बढ़ाया गया, मध्यम वर्ग के लिए रिबेट दोगुनी कर दी गई और लंबे समय से स्टार्टअप के लिए चिंता का विषय रहे एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया गया। इन सुधारों से उपभोग में बढ़ोतरी होती है, उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है और भारत के दीर्घकालिक विकास पथ को मजबूती मिलती है।

मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने पर, बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। सड़कें, कारखाने और सौर पैनल सिर्फ प्रगति के संकेत नहीं हैं, बल्कि वे आकांक्षाओं की नींव हैं। आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक सहित हर क्षेत्र में भारत राष्ट्रीय स्तर पर नवीनीकरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। जनादेश भी स्पष्ट है। विजन बरकरार है। और, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, निर्णायक दशक अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। इतिहास इस वक्त को सिर्फ तेज विकास के चरण के रूप में ही नहीं, बल्कि उस क्षण के रूप में दर्ज करेगा, जब भारत ने विश्वास किया, बदलाव किया और नेतृत्व किया है।

लेखक भारत सरकार में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं

RBI ने तो राहत दे दी, लेकिन क्या बैंक इसे लोगों तक पहुंचाएंगे?

संतोष कुमार पाठक

घरों की घटती बिक्री और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे दबाव के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए रेपो रेट में बंपर कटौती कर दी है। आर्थिक मामलों के जानकार, यह उम्मीद लगा रहे थे कि आरबीआई शुक्रवार को रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है लेकिन आरबीआई ने उम्मीद से ज्यादा राहत देते हुए इसमें आधा फीसदी की कटौती कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि बहुमत से यह फैसला किया गया है। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद अब यह 5.50 फीसदी हो जाएगा। इसके साथ ही आरबीआई ने कैश रिज़र्व रेश्यो में एक प्रतिशत की कमी का भी ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। आरबीआई ने फरवरी, अप्रैल और जून में यानी कुल मिलाकर रेपो रेट में तीन बार कटौती कर, इसमें 100 बेसिस पॉइंट्स घटा दिए हैं। रेपो रेट और कैश रिज़र्व रेश्यो में कटौती के आरबीआई के दोनों फैसलों को अगर साधारण भाषा में बताया जाए तो, इसका एकमात्र बड़ा उद्देश्य लोगों की जेबों तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाना है ताकि उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा बचे। अगर लोगों के पास पैसे बचेंगे तो वे खर्च करेंगे, जिससे बाजार में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था की विकास दर भी बढ़ेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब बैंक पूरी ईमानदारी के साथ आरबीआई द्वारा की गई कटौतियों का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा पाएंगे। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के बाद होम लोन लेने वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मोटे तौर पर अगर अनुमान लगाया जाए तो 20 लाख के लोन की ईएमआई में 600-715 रुपए तक की कटौती हो सकती है यानी एक साल में 8,400 और 20 वर्षों में कुल मिलाकर एक लाख 68 हजार रुपए के लगभग की बचत हो सकती है। वहीं 50 लाख तक के होम लोन की ईएमआई पर 1650-1755 रुपए तक की राहत मिल सकती है। अगर किसी ने 20 वर्षों के लिए इतनी राशि का होम लोन ले रखा होगा तो उसे 4 लाख रुपए से भी ज्यादा की बचत होगी। जाहिर तौर पर होम लोन उपभोक्ताओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी, बशर्ते बैंक कागजी कार्यवाही में किंतु-परंतु करने की बजाय सीधे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाए। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, लगभग 40 फीसदी होम लोन EBLR अर्थात एक्सटर्नल बेंचमार्क लैंडिंग रेट से जुड़े हैं और उन्हें इस कटौती का तत्काल लाभ मिल जाना चाहिए। बैंकों को ऐसे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत दे देनी चाहिए। इसके साथ ही बैंकों को होम लोन लेने वाले उन उपभोक्ताओं को भी राहत पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए जो EBLR से नहीं जुड़े हुए हैं। स्टेट बैंक ऑफइंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए। बैंकों खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यशैली को देखते हुए, यह अपने आप में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दावा किया है कि CRR अर्थात कैश रिज़र्व रेश्यो में एक फीसदी की कमी करने की वजह से बैंकिंग सिस्टम में 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त राशि का इंतजाम हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि बैंक अगर इस अतिरिक्त राशि का इस्तेमाल कर्ज बांटने में सही तरीके से करेंगे तो देश की अर्थव्यवस्था में और ज्यादा तेजी आएगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इन कटौतियों की घोषणा करते हुए यह भी साफकिया कि ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई ने अपना काम कर दिया है और दूसरों को क्या करना चाहिए,यह सुझाव देना उनके लिए सही नहीं है। लेकिन यह भी समय की मांग है कि भारतीय रिज़र्व बैंक को देश के बैंकों पर निगरानी की व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके फैसलों को लाभ हर हाल में अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए यह बहुत जरूरी है।

अटल पेंशन योजना- सभी को आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान

चित्रा जयसिम्हा

वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं।

जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है। यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गई और भारत के असंगठित क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया। यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुढ़ापे की उम्र में पेश आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने हेतु प्रेरित करती है।

एपीवाई एक ऐसी स्वैच्छिक व आवधिक अंशदान-आधारित पेंशन प्रणाली है, जिसके तहत ग्राहक को उनके द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर हर महीने 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन मिलेगी। इस पहल का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम यह देखते हैं कि कुल रोजगार में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में काम करने वाले या काम कर चुके बुजुर्गों की अधिकांश आबादी की रहन-सहन की स्थितियां गंभीर नीतिगत चिंता का विषय हैं। वर्ष 2031 तक बुजुर्गों की आबादी 20 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस समय तक एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष की होगी, अटल पेंशन योजना निश्चित रूप से बुजुर्गों के लिए एक आकर्षक विकल्प है। कई विशेषज्ञों ने इस पेंशन योजना को सही ही राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया मॉडल बताया है, जो एनपीएस को समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य - वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने ङ्क के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत ही कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएं एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोक में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एनपीएस व मनरेगा जैसी भारत सरकार की अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और इसी तरह की अन्य योजनाओं का पूरक भी है।

नारी शक्ति के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से लैस इस योजना में महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई है। 31 मार्च, 2025 तक इस योजना के कुल ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है। अनौपचारिक क्षेत्र पर जोर देने के साथ, एपीवाई स्वाभाविक रूप से उन प्रमुख समूहों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें अक्सर चार प्रमुख जातियों के रूप में निरुपित किया जाता है। इनमें गरीब और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वृद्धावस्था पेंशन का संबंध केवल पैसे से ही नहीं है। इसका एक गहरा महत्व है। गरीबों और महिलाओं को इसके जरिए जो मानसिक शांति और सम्मान मिलता है, वह बेहद संतोषजनक है। 31 मार्च 2025 तक, एपीवाई के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 7.6 करोड़ है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) 44,781 करोड़ रुपये की है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, इसमें 1.17 करोड़ ग्राहक और 8250 करोड़ रुपये का एयूएम जुड़ गया है, जिससे इसके ग्राहक आधार में 15.4 प्रतिशत और एयूएम के विकास में 22.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

एपीवाई के तहत कुल सकल नामांकन के मामले में शीर्ष पांच राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं। इसलिए, एपीवाई का लक्ष्य भारत के क्षेत्रीय रूप से वंचित लोगों के वित्तीय समावेशन को कार्यान्वित करना है ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के प्रमुख नीतिगत लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

वर्ष 2035 एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। यह वह वर्ष होगा जब बहुप्रतीक्षित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के ग्राहकों को मासिक पेंशन की पहली किश्त मिलनी शुरू हो जाएगी। अटल पेंशन योजना के जरिए, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मुख्य रूप से स्व-नियोजित, अनियमित (कैजुअल), गिग, प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए पेंशन कवरेज सुनिश्चित की जाती है। हालांकि भविष्य में जीवन प्रत्याशा और मुद्रास्फीति-सूचकांक में होने वाली वृद्धि को देखते हुए, दीर्घकालिक अवधि में वृद्धावस्था में आय संबंधी सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से मौजूदा व्यवस्थाओं की पर्याप्तता एक चुनौती होगी। हालांकि, कुल मिलाकर अटल पेंशन योजना आम जनता के लाभ के लिए वित्तीय एवं सामाजिक, दोनों ही मानदंडों पर एक सुविचारित योजना है। एपीवाई बुजुर्गों के लिए उनके बुढ़ापे में एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में बेहद अहम साबित होगी।

आगे की राह- भारत की बढ़ती सामाजिक सुरक्षा समावेशी कल्याण एवं आर्थिक सुरक्षा के प्रति इसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह एक ऐसा उभरता हुआ परिदृश्य है, जिसमें दायरे का विस्तार करने, मौजूदा योजनाओं को मजबूत करने और विविध कार्यबल की चुनौतियों का समाधान करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इसका लक्ष्य अपने सभी नागरिकों के लिए एक अधिक समावेशी और मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली तैयार करना है।

लेखिका जयसिम्हा एनपीएस ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं ये उनके निजी विचार हैं

पूजा करते समय दीपक जलाने के इन नियमों का रखें ध्यान

घर आएंगी मां लक्ष्मी

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। ज्योतिष शास्त्र में दीपक प्रज्वलित के कुछ खास नियम बताए हैं। मान्यता है कि किसी भी पूजा को आरंभ करने से पहले दीपक जलाना चाहिए, तभी पूजा पूरी मानी जाती है। किसी भी पूजा-पाठ के समय दीपक जलाने की परंपरा का पालन हर किसी को करना चाहिए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दीपक जलाने के भी कुछ नियम होते हैं। मान्यता है कि इन नियमों का पालन करने से लोगों को पूजा-पाठ का पुण्य फल मिलता है व मनोकामना पूर्ण होती है। जानें पूजा करते समय दीपक की बत्ती से जुड़े वास्तु नियम व उसके प्रभावों के बारे में...

1. दीपक जलाते समय बत्ती का मुख सदैव पूर्व या उत्तर की ओर रखना चाहिए। पूजा में घी का दीपक जलाने के बाद तुरंत बाद ही अन्य तेल का दीपक नहीं जलाना चाहिए।
2. पूर्व की ओर बत्ती का मुख रखने से स्वास्थ्य लाभ होता है तथा तनाव कम होता है।
3. उत्तर की ओर बत्ती का मुख रखने समृद्धि आती है तथा ज्ञान में वृद्धि होती है।
4. पश्चिम की ओर बत्ती का मुख रखने से जीवन में बाधाएं आती हैं व चिंता बढ़ती है।
5. दक्षिण दिशा की ओर बत्ती का मुख रखने से हानि हो सकती है तथा रुकावटें भी आती हैं।
6. हिंदू धर्म के अनुसार दीपक को पूजा स्थल के बीचों बीच और भगवान की मूर्ति या प्रतिमा के सामने रखना चाहिए।
7. तेल के दीपक में लाल बत्ती का प्रयोग करना शुभ होता है और घर के दीपक के लिए रूई की बाती का प्रयोग करना लाभकारी माना गया है।

किशमिश और मुनक्का में क्या होता है अंतर

जानिए सेहत के लिए क्या है ज्यादा फायदेमंद

किशमिश और मुनक्का दोनों ही सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। हालांकि कुछ लोग दोनों को एक ही समझते हैं, लेकिन दोनों में काफी अंतर होता है। किशमिश और मुनक्का ड्राई फ्रूट्स की लिस्ट में ही शामिल हैं। किशमिश खाने से पेट में कब्ज की समस्या कम होती है वहीं मुनक्का खाने से शरीर में खून बढ़ता है। मुनक्का का इस्तेमाल आयुर्वेद में दवा के रूप में भी किया जाता है। जानिए किशमिश और मुनक्का में क्या अंतर होता है और सेहत के लिए इनमें से क्या ज्यादा फायदेमंद है?

मुनक्का के फायदे

मुनक्का में भरपूर कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, बीटा कैरोटीन, एंटी बैक्टीरियल जैसे गुण पाए जाते हैं। शरीर में खून की कमी दूर करने के लिए मुनक्का का सेवन जरूर करें। फाइबर से भरपूर मुनक्का खाने से पाचन मजबूत होता है। एनीमिया के रोगियों को मुनक्का जरूर खाना चाहिए। ब्लड प्रेशर कम होने पर भी मुनक्का फायदेमंद होता है। हार्ट हेल्थ और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मुनक्का मदद करता है।

किशमिश और मुनक्का में अंतर

किशमिश का साइज छोटा और दिखने में पतली होती है। मुनक्का साइड में बड़ा और मोटा होता है। किशमिश का रंग थोड़ा हल्का होता है वहीं मुनक्का डार्क ब्राउन कलर का होता है। किशमिश खाने में खट्टी और मुनक्का मीठा होता है। छोटे अंगूरों को सूखाकर किशमिश तैयार की जाती है इनमें बीज नहीं होते हैं। मुनक्का को बड़े साइज के पके अंगूर को सुखाकर बनाया जाता है। मुनक्का के अंदर काफी बीज होते हैं।

किशमिश के फायदे

किशमिश में आयरन, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज होता है। किशमिश को विटामिन बी6 का सोर्स माना जाता है। किशमिश खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है। फाइबर से भरपूर किशमिश पुरुषों के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी माना जाती है। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को तेज करती हैं। भिगोकर किशमिश खाने से वजन भी कम होता है। हड्डी और दांतों को मजबूत बनाने के लिए भी किशमिश खानी चाहिए।

सिर्फ छाता-रेनकोट नहीं

मानसून में यात्रा के लिए इन चीजों को बैग में रखना न भूलें

मानसून में ट्रैवलिंग का भी अलग ही मजा है। भारत के अधिकतर हिस्से बारिश के दौरान हरे-भरे हो जाते हैं और इनकी खूबसूरती और बढ़ जाती है। वैसे इस मौसम में यात्रा करना कुछ हद तक सेफ नहीं होता है इसके बावजूद कुछ लोग बारिश में भी घूमने के लिए निकल जाते हैं। यात्रा पर जाने से पहले हमें इस मौसम के लिहाज से पैकिंग करनी चाहिए। लोग मानसून में ट्रिप की प्लानिंग और पैकिंग में ऐसी गलती कर जाते हैं जो उनके लिए वहां मुसीबत का कारण बनती है। हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपकी ट्रैवल किट में कौन सा जरूरी सामान होना चाहिए।

मानसून ट्रैवलिंग

कुछ लोगों को मानसून में घूमना काफी पसंद होता है। इसलिए वे बारिश में ही ट्रैवलिंग का प्लान बनाते हैं। दरअसल भारत में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। कर्नाटक का कुर्ग और महाराष्ट्र का लोनावला जैसी देश में कई टूरिस्ट स्पॉट हैं जिनकी मानसून में ब्यूटी और बढ़ जाती है और इन्हें देखते ही कोई भी पलभर में दीवाना बन जाता है। वैसे ट्रिप का मजा किरकिरा न हो इसलिए पैकिंग में क्या-क्या रखना जरूरी है जानें

छाता और रेनकोट है जरूरी

मानसून में ट्रैवल करने जा रहा हैं तो सबसे कॉमन चीज छाता और रेनकोट को बैग में रखना न भूलें। बारिश के बढ़ने के बीच भीगने से तबीयत बिगड़ सकती है ऐसे में रेनकोट और छाता होने पर आप काफी हद तक अपना बचाव कर सकते हैं। घर से दूर ट्रैवलिंग में बीमार पड़ना भारी पड़ जाता है। ऐसे में सेफ्टी के साथ चलना बेहतर रहता है।

वाटरप्रूफ बैग

सामान को भीगने से बचाने का बेस्ट ऑप्शन वाटरप्रूफ बैग है। इसमें आपकी सभी चीजें सेफ रहती हैं और हम टेंशन फ्री ट्रैवल कर पाते हैं। इसके अलावा वाटरप्रूफ पैकट भी आते हैं जिनके जरिए आप बैग के अंदर भी सामान को भीगने से बचा सकते हैं।

ऐसे जूते-चप्पल रखें

कहा जाता है कि बारिश में यात्रा करते समय जूतों की जगह चप्पल या स्लीपर साथ रखनी चाहिए। पर पानी के कारण पैरों की स्किन को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में अपने पास ऐसे जूते रखें जो काफी हद तक पानी से आपको बचा सकें। साथ ही इन जूतों के सोल की ग्रीप भी अच्छी होनी चाहिए क्योंकि इस तरह आप फिसलने के डर को कम कर पाएंगे।

हेयर ड्रायर

अपने बैग में हेयर ड्रायर रखना न भूलें क्योंकि ये न सिर्फ गीले बालों को जल्दी सुखाने के काम आता है बल्कि इससे कपड़ों में आई नमी को भी कम करने में मदद मिलेगी। हेयर ड्रायर में ज्यादा वजन भी नहीं होता और ये मानसून की यात्रा में आपके लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।

गर्मी में जिम जाने का नहीं है मन

घर पर बैठे करें एक्सरसाइज

गर्मियों के मौसम में जिम जाने का मन नहीं करता है ऐसे में अगर आप भी इन्हीं में से एक हैं तो आप बिना जिम जाए घर पर ही इन एक्सरसाइज को कर सकते हैं ये वजन कम करने में भी मददगार साबित हो सकती हैं। वेट लॉस करना हो या अपने आप को फिट रखना है इसके लिए डाइट के साथ ही एक्सरसाइज बेहद जरूरी होती है। जिसके लिए ज्यादातर लोग जिम जाना पसंद करते हैं। लेकिन इस समय दिन पर दिन गर्मी बढ़ती जा रही है। कई बार अपने बिजी शेड्यूल और गर्मी के कारण आपको बहुत ज्यादा थकावट महसूस होने लगती है कि ऐसे में जिम जाने का बिल्कुल मन नहीं करता है। एक से दो दिन ऐसा करना चलता है, लेकिन रोजाना नहीं।

अगर हम ऑफिस और घर पर लगातार बैठे रहेंगे और किसी तरह की फिजिकल एक्टिविटी नहीं करेंगे तो इससे वजन बढ़ने के चांसेस ज्यादा हो जाते हैं। वजन कम करने के साथ ही हमारी ओवर ऑल हेल्थ के लिए भी वर्कआउट करना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आप भी इस तपती गर्मी में जिम जाकर एक्सरसाइज नहीं करना चाह रहे हैं तो आप घर पर ही वर्कआउट कर सकते हैं। जिससे आपका वजन कंट्रोल हो जाए।

प्लैंक एक्सरसाइज

वेट लॉस करने में प्लैंक एक्सरसाइज मददगार साबित हो सकती हैं। इसके लिए आपको पेट के बल जमीन पर लेट जाना है और उसके बाद अपने पंजों और कोहनी के बल पर शरीर को ऊपर की तरह उठाना है। अब पोजीशन में कुछ सेकेंड तक रहें। बस ध्यान रखें कि इस एक्सरसाइज को करते समय अपनी बॉडी को सीधा रखें।

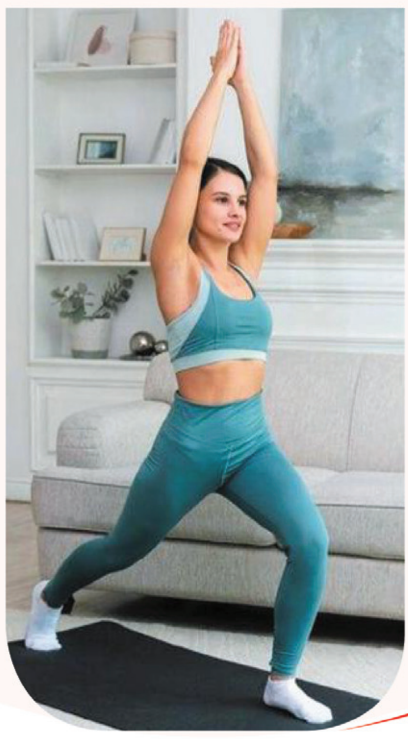

स्क्वाट एक्सरसाइज

स्क्वाट एक्सरसाइज करने से कमर के निचले हिस्से की मसल्स को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आपको सीधा खड़े हो जाना है और उसके बाद दोनों हाथों को अपने सामने लाकर मुट्ठी बना लेनी है। इसके बाद आपको उठक-बैठक करनी है। जैसे ही आप नीचे बैठने लगें तभी वापिस स्टैंडिंग पोजीशन में आ जाएं।

जंपिंग जैक्स

अगर आप घर पर एक्सरसाइज करना चाह रहे हैं तो जंपिंग जैक भी अच्छा ऑप्शन हैं। ये एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है। इससे कैलोरी बर्न करने और शरीर को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। जंपिंग एक्सरसाइज करने के लिए पहले पैरों को साथ मिलाकर खड़े हो जाएं। फिर हाथों को शरीर के दोनों तरफ रखें। अब एक छलांग लगाएं, इस दौरान पैरों को बाहर की ओर फैलाएं। अब हाथों को सिर के ऊपर उठाएं और वापस से सीधा खड़े हो जाएं और ये प्रोसेस 60 सेकंड तक दोहराएं।

दूध वाली चाय को ज्यादा उबालने से सेहत को होते हैं ये गंभीर नुकसान

कुछ लोगों को ज्यादा देर तक चाय उबालकर पीने की आदत होती है। इससे यकीनन चाय का स्वाद बढ़ जाता है लेकिन सेहत के लिहाज से देखा जाए तो ये बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं है। ज्यादा देर तक उबली हुई चाय आपकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसलिए अगर आप चाय पीने के शौकीन हैं तो आपको ये जरूर पता होना चाहिए कि चाय को कितनी देर तक उबालना सही है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

चाय को कितनी देर तक उबालें

चाय बनाने की सारी सामग्री डाल देने के बाद आप इसे सिर्फ 4-5 मिनट के लिए ही उबालें। इससे ज्यादा देर के लिए अगर आप चाय उबालते हैं तो इससे आपकी सेहत को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। आइए जानते हैं अगर चाय को ज्यादा देर तक उबाला जाए तो इससे क्या नुकसान होते हैं।

1.शरीर में हो सकती है आयरन और कैल्शियम की कमी

दूध की चाय को ज्यादा देर तक उबालने से इसमें टैनिन की मात्रा बढ़ जाती है। टैनिन की मात्रा बढ़ने से शरीर में आयरन की कमी हो जाती है जिससे आप जल्द ही एनीमिया के शिकार हो सकते हैं।

2. एसिडिटी की समस्या - दूध वाली चाय को ज्यादा उबालने से इसका पीएच लेवल भी बढ़ जाता है जिससे चाय ज्यादा एसिडिक हो जाती है।

3 .पाचन संबंधी समस्याएं - चाय को ज्यादा देर तक उबालने की वजह से इसके एसिडिक गुण बढ़ जाते हैं जिससे आपको पाचन संबंधित समस्याएं हो सकती है।

4 .हाई ब्लड प्रेशर - अगर आप पहले बनाकर रखी हुई चाय को दुबारा उबालकर पीते हैं तो इससे उसमें टैनिन की मात्रा पहले के मुकाबले काफी ज्यादा बढ़ जाती है जो आपके ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करती है।

हमारे देश में दादी-नानी छोटी-मोटी हेल्थ प्रॉब्लम से लेकर स्किन और हेयर केयर के लिए हमेशा से देसी नुस्खों को अपनाती आ रही हैं और ये नुस्खे आज भी बेहद फायदेमंद रहते हैं। घर की रसोई में मिल जाने वाली चीजें औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं, बस आपको सही से इस्तेमाल करना आना चाहिए। आज के मॉर्डन लाइफस्टाइल में सेहत के साथ ही त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याओं से भी लोग काफी ज्यादा परेशान रहते हैं। ऐसे में अपने खानपान से लेकर रूटीन पर ध्यान देने के साथ ही होम रेमेडीज के जरिए आप इन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकते हैं।

दादी मां के नुस्खे जो बालों और त्वचा को बनाएंगे हेल्दी

सोशल मीडिया पर आज के टाइम में हैक्स की भरमार है। इनको लेकर दावा किया जाता है कि एक ही बार में बेहतरीन रिजल्ट मिलेगा, लेकिन इससे आपकी स्किन और बालों को फायदा होने की बजाय कई बार नुकसान भी हो सकता है। पुराने आजमाए हुए नुस्खों का रिजल्ट मिलने में भले ही कुछ समय लगता है, लेकिन इनके इफेक्ट होने का डर नहीं रहता है। तो चलिए जान लेते हैं ऐसे ही नुस्खों के बारे में।

शैंपू को कहें बाय, ऐसे धोएं बाल

पहले के टाइम में लोग शैंपू से बाल नहीं धोया करते थे, बल्कि इसकी बजाय रीठा, आंवला और शिकाकाई का इस्तेमाल किया जाता था। इससे बाल न सिर्फ मजबूत बनते हैं, बल्कि ग्रोथ भी अच्छी रहती है और बालों में थिकनेस भी आती है। इसके अलावा आपके बाल लंबे समय तक काले बने रहते हैं। रात में सूखे आंवला, रीठा और शिकाकई को थोड़े से पानी में भिगो दें। सुबह इसे मसलकर छान लें और इस पानी से बालों को धोएं।

मुल्तानी मिट्टी है बड़े काम की चीज

स्किन केयर से लेकर हेयर केयर तक में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल बहुत पुराने समय से होता आ रहा है। आप हेयर वॉश में भी इसे इस्तेमाल कर सकते हैं, बस इसमें थोड़ा सा टाइम ज्यादा लगता है। मुल्तानी मिट्टी को भिगोकर रख दें और फिर इसमें रीठा का पानी मिला लें। तैयार है आपका नेचुरल शैंपू। पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए मुल्तानी मिट्टी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं, स्किन ज्यादा ड्राई रहती है तो एक चम्मच दही भी एड कर लें।

बेसन का करें स्किन केयर में यूज

अपने चेहरे की रंगत सुधारे से लेकर डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने तक बेसन का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक चम्मच बेसन में दही और हल्दी मिलाएं। इन तीनों चीजों का फेस पैक हफ्ते में तीन बार लगाने से आपको धीरे-धीरे स्किन में पॉजिटिव बदलाव देखने को मिलेंगे।

गर्मियों के लिए नए और स्टाइलिश डिज़ाइनों के परिधान करें शामिल

भारत के अग्रणी फैशनेबल ब्रांड लाइफस्टाइल ने अपने लंबे समय से प्रतीक्षित एंड ऑफ सीजन सेल की घोषणा कर दी है, जिसमें ग्राहकों को फैशन-फॉरवर्ड उत्पादों की विस्तृत रेंज पर 50% तक की छूट दी जा रही है। इस सीजन को और भी रोमांचक बनाते हुए, लाइफस्टाइल ने इस अभियान के लिए अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ साझेदारी की है।

अपने सहज स्वाभाविक आकर्षण और करिश्माई व्यक्तित्व के लिए पूरे भारत में पहचानी जाने वाली तमन्ना इस नए अभियान में ग्लैमर और आत्म-प्रेरित स्टाइल का एक अनोखा मिश्रण प्रस्तुत करती हैं। इस सीजन के कलेक्शन में गर्मियों के लिए नए और स्टाइलिश डिज़ाइनों के साथ-साथ क्लासिक परिधान शामिल हैं, जो प्रीमियम स्टाइल या रोज़मर्रा की फैशन की तलाश करने वाले हर खरीदार के लिए कुछ न कुछ पेश करते हैं। अभियान के बारे में बोलते हुए लाइफस्टाइल के अध्यक्ष – उप-सीईओ ने कहा कि,

"स्टाइल और सहजता के मेल से तैयार यह कलेक्शन तमन्ना के ज़रिए जीवंत हो उठता है और यह सभी को अपनी अनोखी शैली को आत्मविश्वास के साथ अपनाने के लिए प्रेरित करता है। भारतीय अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा, "मेरा मानना है कि फैशन केवल ट्रेंड्स के बारे में नहीं है, बल्कि यह इस बारे में है कि आप कौन हैं – इसे व्यक्त करना। लाइफस्टाइल के इस सेल की मुझे जो बात सबसे ज़्यादा पसंद आई, वह यह है कि यह हर किसी के लिए प्रीमियम और ट्रेंडिंग फैशन को सुलभ बनाता है, और लोगों को आत्मविश्वास के साथ अपना व्यक्तित्व अपनाने में सक्षम बनाता है।"

रश्मिका ने 7 घंटे तक कूड़े के ढेर में की शूटिंग

साउथ के एक्टर धनुष और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'कुबेरा' अनाउंसमेंट के वक्त से ही सुर्खियों में बनी हुई है। शेखर कम्मुला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में धनुष सुपरस्टार नागार्जुन के साथ नजर आएंगे। धनुष ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म का एक सीन शूट करने के लिए उन्हें और रश्मिका को डंपयार्ड (कूड़े के विशाल ढेर) में 6-7 घंटे तक शूटिंग करनी पड़ी थी। धनुष फिल्म के सॉन्ग 'पिपी पिपी डम डम' की रिलीज के लिए आयोजित एक इवेंट का हिस्सा बने थे, जब उनसे फिल्म की शूटिंग से जुड़े किसी यादगार किस्से के बारे में पूछा गया।

इस सवाल के जवाब में धनुष ने कहा, रश्मिका को और मुझे कूड़े के ढेर में 6-7 घंटे तक शूटिंग करनी पड़ी।' धनुष ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान रश्मिका बिलकुल ठीक थीं। एक्टर ने कहा, 'रश्मिका को कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने कहा मुझे कोई स्मेल नहीं आ रही है।' हंसी मजाक के बाद धनुष ने गंभीर लहजे में बताया कि मैं बहुत सी जगहों पर पढ़ता हूं कि लोग बताते हैं हमने मास्क पहनकर शूटिंग की थी, यह उतनी मुश्किल बात नहीं थी। इसमें खास दिक्कत नहीं आई।' धनुष ने कहा, 'लेकिन दुनिया का एक दूसरा हिस्सा देखना, जिससे आप कभी रूबरू नहीं हुए हैं... आप हमेशा ही अपने कम्फर्ट जोन में होते हैं। जहां आपको लगता है कि सब कुछ बहुत आरामदायक है। आप वो करते हैं जो आपके लिए सहज और सहूलियत भरा होता है। आप सुरक्षित होते हैं। कम से कम हम में से कुछ तो बहुत सुरक्षित हैं। मैं उन्हीं लोगों में से आता हूं। मुझे बहुत शालीन, सहज और जमीन से जुड़ी परवरिश मिली है। आज ऊपर वाले की कृपा से मैं यहां पर हूं।

सलमान खान ने मेरी पूरी पर्सनैलिटी ही बदल दी

एक्टर को लेकर बोलीं पलक तिवारी

पलक तिवारी ने बतौर एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत साल 2023 में फिल्म किसी का भाई किसी की जान से की थी। यह सलमान खान की फिल्म थी। वैसे बतौर एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत करने से पहले पलक ने सलमान खान की ही फिल्म अंतिम द फाइनल ट्रुथ में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था। अब पलक ने बताया कि अंतिम में काम करने के लिए उन्होंने कोई पैसे नहीं लिए थे। मैशेबल इंडिया से बात करते हुए पलक ने कहा, 'पैसा क्या होता है? मैं सलमान सर के प्रेजेंस में थी और आपको लगता है मैं पैसे मांगती? क्यों? मैं पैसे मांगती तो सलमान सर दे भी देते, लेकिन मैं क्या बच्ची, मैं क्या ही कंट्रीब्यूट करूंगी कि वह मुझे पैसे दें यार।' पलक ने कहा, 'मैंने उनके साथ पूरी फिल्म की। मैं वैसे आम तौर पर स्टार स्ट्रक नहीं होती, आप मेरे सामने किसी को भी बिठा दो, लेकिन जब वह मेरे सामने होते, मैं बोलती ही नहीं और चुप हो जाती। उन्होंने मेरी पूरी पर्सनैलिटी ही बदल दी, फिर उन्होंने कहा आराम से बोलो।' पलक ने आगे यह भी कहा, 'मैं सलमान सर की क्लोज फैन रही हूं। मैं इसे सीक्रेट नहीं रखना चाहती हूं, लेकिन सब जानते हैं मैं उनकी सुपर फैन हूं।'किसी का भाई किसी की जान का ऑफर मिलने पर पलक ने कहा, 'मुझे सलमान सर के पास रहने के लिए(यानी उनके साथ काम) पैसे मिल रहे थे। उनके साथ काम करने का एक्सपीरियंस काफी जबरदस्त था। मेरा अच्छा इंट्रोडक्शन था इंडस्ट्री में।' पलक ने यह भी कहा कि सलमान उनके आइडल हैं। उन्होंने कहा, 'सलमान सर, सलमान सर हैं। अगर उन्हें कुछ कहना होगा तो वह आपके सामने आकर कहेंगे। वह सबका ध्यान रखते हैं। वह सबका ध्यान रखते हैं। उन्हें पता चल जाता है कि सामने वाला किस चीज से गुजर रहा है। जब वह यह पूछते हैं तो मतलब वह आपके लिए हमेशा हैं।'

शिल्पा शेट्टी ने विदेशी लड़की पर निकाला गुस्सा?

शिल्पा शेट्टी और उनके परिवार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि एक लड़की ने रेस्ट्रॉन्ट में उनसे धीरे बात करने को कहा तो वह झगड़ पड़ीं। अब शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने इस वायरल वीडियो पर अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि एक टेबल डबल बुक थी जिस पर विवाद था। राज ने बताया कि वह एक साल पहले ही टेबल बुक कर चुके थे और उनके साथ परिवार के 20 से ज्यादा लोग थे जिन्हें जाने के लिए कहा गया। 'जो वीडियो ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहा है, मैं उस कुछ चीजें स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने उस रेस्ट्रॉन्ट में एक साल पहले अडवांस में अपनी पत्नी के जन्मदिन के लिए टेबल बुक की थी। दुर्भाग्य से वहां पहुंचने पर हमें कहा गया कि हमारी टेबल किसी और ग्रुप को दे गई है। उन्होंने इसे किसी एजेंट की तरफ से 'डबल बुकिंग एरर' बताया।' राज कुंद्रा ने कहा कि यह घटना काफी फ्रस्ट्रेट करने वाली थी। उन्होंने जब इस गलती पर नाराजगी जताई तो उन्हें परिवार के साथ वहां से जाने के लिए कह दिया गया। राज बोले, 'वह भी रेस्ट्रॉन्ट चलाते हैं, मुझे यह सिचुएशन बहुत फ्रस्ट्रेटिंग लगी खासकर जब मेरे बुजुर्ग मां-बाप, सास और 20 मेहमान इंतजार में खड़े थे। मैं शाम को स्पेशल बना रहा था जो कि तनाव में बदल गई, जब मैंने आवाज उठाई तो मसे चुप रहने को कहा गया।'

मिथुन चक्रवर्ती ने बिग बी के लिए चीर दिया था अपना सीना

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स हैं जिनके बीच सालों से दोस्ती चलती आ रही है और हमेशा हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ रहे हैं। अब आज हम आपको एक ऐसे एक्टर के बारे में बताने वाले हैं जिन्होंने अपने दोस्त और बॉलीवुड स्टार के लिए अपनी छाती तक चीर ली थी। यहां बात हो रही है मिथुन चक्रवर्ती की जो एक स्टार की काफी रिस्पेक्ट करते थे और उन्हें अपने बड़े भाई की तरह मानते थे। मिथुन जिन्हें अपना मेंटॉर मानते थे और जिनकी जान बचाने के लिए उन्होंने हद पार कर दी थी वह और कोई नहीं अमिताभ बच्चन हैं। अमिताभ बच्चन के कुली सेट पर हुए हादसे के बारे में तो सब जानते हैं कि कैसे शूट के दौरान बिग बी को लग गई थी और उनकी जान भी खतरें में थी। मिथुन ने बिग बी के जल्द ठीक होने के लिए दुआ मांगी और मां काली के मंदिर पहुंचे। इतना ही नहीं उन्होंने अपना सीना तक चीर दिया था। बिग बी ने खुद भी इस बारे में बताया था। मिथुन की मन्नत रंग भी लाई थी और बिग बी फिर ठीक हो गए थे। अमिताभ ने कहा था कि मैं कैसे इस बात को कभी नहीं भूल सकता हूं।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने दिखाया बेटे जॉय का चेहरा

देवोलीना भट्टाचार्जी ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे के अन्नप्राशन संस्कार की तस्वीरें डाली हैं। इनमें पहली बार जॉय का चेहरा दिख रहा है। देवो के साथ उनके पति शहनवाज भी हैं। उन्होंने पूरे विधि-विधान से रस्म की है। देवोलीना के करीबी इस रस्म में शामिल हुए थे। इंस्टाग्राम पर लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। देवोलीना ने अन्नप्राशन के साथ बच्चे का फेस भी रिवील किया।

मंगलवार का दिन देवोलीना भट्टाचार्जी के लिए खास था। उन्होंने अपने बेटे जॉय का अन्नप्राशन संस्कार किया। इस रस्म में बच्चे को पहली बार अन्न खिलाया जाता है। इसके बाद बच्चा थोड़ा-थोड़ा सॉलिड फूड खा सकता है। देवोलीना ने लिखा है, 'हाथ जोड़कर और दिलों में आभार के साथ हमने अपने प्यारे बेटे जॉय का अन्नप्राशन किया,जॉय को पहली बार अन्न(चावल) खिलाया। मां अन्नपूर्णा उसे स्वास्थ्य, ज्ञान और भरी-पूरी जिंदगी दें। खूबसूरत माइलस्टोन और जिंदगीभर के लिए यादगाकर।' बता दें कि देवो ने अन्नप्राशन के साथ पहली बार बच्चे का चेहरा दिखाया है। इससे पहले वह इमोजी से उसका चेहरा छिपाती रहती थीं। देवोलीना ने बेटे को ट्रडिशनल बंगाली कपड़े पहनाए थे। सेरिमनी में देवोलीना के भाई और करीबी लोग शामिल हुए थे। देवोलीना के बेटे का जन्म 18 दिसंबर 2024 में हुआ था। उनका बेटा छह महीने का हो चुका है। देवोलीना ने अपने जिम ट्रेनर शहनवाज से शादी की है। इंटररिलीजन शादी होने के बाद भी दोनों एक-दूसरे के आस्था का सम्मान करते हैं। देवो के फॉलोअर्स इस बात पर उनकी तारीफ करते हैं।

पंचायत 4 की रिलीज से जुड़ा सस्पेंस खत्म

पंचायत 4 के ऑफिशियल ट्रेलर के साथ मेकर्स ने फाइनली बताई जून की रिलीज डेट, खुश हुए फैन्स

पंचायत सीजन 4 के ऑफिशियल ट्रेलर के साथ इसकी रिलीज से जुड़ा सस्पेंस खत्म हो चुका है। मेकर्स काफी दिनों से हिंट दे रहे थे कि सीरीज कि स्ट्रीमिंग पहले हो सकती है। पहले सीरीज 2 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। अब लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक नया सीजन 24 जून 2025 को आ रहा है। टीजर में इलेक्शन की हिंट मिली थी। अब ऑफिशियल ट्रेलर में दिख रहा है कि मंजू देवी और क्रांति देवी के बीच चुनाव जीतने के दांव-पेच दिखाई देंगे। पंचायत में इस बार मंजू देवी और क्रांति देवी के बीच पॉलिटिक्स का तगड़ा खेल दिखेगा। दोनों पंचायत चुनाव में एक-दूसरे को हराने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाएंगी। इस बीच सचिवजी और रिंकी के बीच भी प्यारभरी नोकझोक दिखेगी। रिंकी अपनी मां का सोशल मीडिया हैंडल करेगी। मंजू देवी के सपोर्टर्स गांववालों को रिझाने की पूरी कोशिश करेंगे ताकि चुनाव जीता जा सके। शो में ह्यूमर और कॉमेडी के साथ पॉलिटिक्स के मजेदार दांव-पेंज दिखाई देंगे। पंचायत 4 की रिलीज डेट पहले 2 जुलाई तय की गई थी। मेकर्स हिंट दे चुके थे कि यह प्रीपोन हो सकती है। ट्रेलर देखकर दर्शक काफी खुश हैं। एक ने लिखा है कि 24 जून को नैशनल हॉलीडे होना चाहिए।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या पर बनी डॉक्यूमेंट्री यूट्यूब पर रिलीज

दिवंगत पंजबी सिंगर शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या पर बनी डॉक्यूमेंट्री रिलीज हो चुकी है। बुधवार, 11 जून को सिद्धू मूसेवाला की बर्थ एनिवर्सरी भी है। यूट्यूब पर बीबीसी वर्ल्ड सर्विस ने इस खास मौके पर डॉक्यूमेंट्री को दो भाग में जारी किया है। दिलचस्प है कि इस डॉक्यूमेंट्री पर तब विवाद गहरा गया था, जब सिंगर के पिता बलकौर सिंह ने इसके प्रीमियर पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने मनसा कोर्ट में याचिका भी दाखलि की थी। लेकिन अदालत ने डॉक्यूमेंट्री पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। बहरहाल, कोर्ट में याचिका खारिज होने से जहां, बलकौर सिंह नाराज और निराश हैं, वहीं बुधवार सुबह 5 बजे सिद्धू मूसेवाला की हत्या पर बनी डॉक्यूमेंट्री रिलीज हो चुकी है। मनसा अदालत ने हालांकि, बलकौर सिंह की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की तारीख तय की है। बीबीसी को बुधवार शाम को मुंबई के एक सिनेमा हॉल में यह डॉक्यूमेंट्री दिखाना है, लेकिन विवाद के बाद प्रोडक्शन हाउस ने इसे यूट्यूब पर रिलीजकर दिया। इस बीच, बुधवार को सिद्धू मूसेवाला के जन्मदिन पर उनके ऑफिशयिल यूट्यूब चैनल पर सिंगर के तीन नए गाने भी रलीज किए गए हैं। सिद्धू के पिता बलकौर सिंह ने मुंबई में डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग रोकने के लिए महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को एक पत्र भी लिखा था। महाराष्ट्र के डीजीपी और मुंबई के जुहू पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बलकौर सिंह सिद्धू ने कहा कि बीबीसी वर्ल्ड सर्विस 11 जून को दोपहर 3 बजे जुहू में डॉक्यूमेंट्री दिखाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

कैटरीना कैफ बनीं मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ अब मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर बन गई हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की गई। विजिट मालदीव ने इस खबर को शेयर करते हुए कहा कि वे कैटरीना कैफ को अपने ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पाकर बेहद खुश हैं। गौरतलब है कि कैटरीना भारत में ब्रांड एंडोर्समेंट की दुनिया का बड़ा चेहरा हैं।

कैटरीना ने इस मौके पर कहा, मालदीव लग्जरी और नेचुरल ब्यूटी का शिखर है, ऐसी जगह जहां सादगी और शांति एक साथ मिलती है। 'सनी साइड ऑफ लाइफ' का फेस बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। इस कोलेबोरेशन के जरिए मैं दुनियाभर के लोगों को मालदीव की खासियत और बेहतरीन यात्रा अनुभव से परिचित कराने के लिए उत्साहित हूं। यह कोलेबोरेशन ऐसे वक्त में हुआ है जब भारत और मालदीव के रिश्तों में पिछले साल जनवरी के बाद से कुछ कड़वाहट देखी गई थी। विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल कैंपेन लॉन्च किया है ताकि दुनियाभर से ज्यादा से ज्यादा सैलानी मालदीव की खूबसूरती, समृद्ध समुद्री जीवन और लग्जरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव की यात्रा पर जा सकते हैं।

अरबाज खान बोले दोबारा प्यार करना गलत नहीं

बॉलीवुड एक्टर और प्रोड्यूसर अरबाज खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी अपकमिंग फिल्म मैंने प्यार किया फिर से के बारे में बात की। साथ ही, उन्होंने अपने निजी जीवन और पत्नी शूरा के बारे में भी बात की। अरबाज खान ने इस इंटरव्यू के दौरान ये भी कंफर्म किया कि वो दूसरी बार पिता बनने वाले हैं। उनकी पत्नी शूरा प्रेग्नेंट हैं। अरबाज खान ने ये भी बताया कि क्यों अपनी लाइफ को प्राइवेट रखते हैं।खास बातचीत में अरबाज खान ने कहा कि उन्हें फिल्म मैंने प्यार किया फिर से की स्क्रिप्ट दिलचस्प लगी। उन्होंने कहा, यह थोड़ा नया और ताजा लगा। मैं हमेशा कुछ ऐसा ढूंढता हूं जिसमें कुछ चैलेंज हो, जो मैंने जो पास्ट में किया हो उससे अलग हो।₹ अरबाज खान की फिल्म की थीम दोबारा प्यार होने पर आधारित है। इंटरव्यू में अरबाज खान ने दोबारा प्यार होने को लेकर बात की। अरबाज खान ने कहा, ₹अगर आप एक बार प्यार में पड़ते हैं, आप दोबारा प्यार कर सकते हैं, क्योंकि आपके अंदर प्यार है, तो आप प्यार देते रह सकते हैं। मैं उस सिद्धांत में नहीं मानता कि अगर आपको एक बार प्यार हो गया है तो आप दोबारा कभी प्यार नहीं हो सकता। ऐसा क्यों होना चाहिए? आपके आगे पूरी लाइफ है। क्या आप सचमुच इस बात को लेकर चिंतित रहेंगे कि आपने अपने शुरुआती सालों में किसी से प्यार किया था और फिर बाकी जीवन आप किसी न किसी प्रकार की प्रत्याशा में बैठे रहेंगे। अरबाज खान ने आगे कहा कि आपको आशा रखनी चाहिए, और लाइफ की किसी भी स्टेज पर आपके जीवन में प्यार आने पर खुश होना चाहिए। अगर वो प्यार किसी एक इंसान के साथ चलता रहता है तो अच्छी बात है, लेकिन, अगर ऐसा नहीं होता है, और आपको कहीं और से प्यार मिलता है, किसी और वक्त प्यार मिलता है, तो उसका स्वागत करें। किसी चीज या किसी व्यक्ति से प्यार करना कभी भी समस्या नहीं होती। किसी से नफरत करना और गलत काम करना एक समस्या है। किसी से प्यार करना एक समस्या क्यों होनी चाहिए?

यूट्यूबर निश्चय मल्हान ने की रुचिका राठौर संग शादी

पॉपुलर यूट्यूबर निश्चय मल्हान ने शादी कर ली है। ट्रिगर्ड इंसान से पॉपुलर निश्चय की शादी की तस्वीरों का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और अब उन्होंने फाइनली फोटोज शेयर कर दी हैं।

निश्चय काफी समय से कंटेंट क्रिएटर रुचिका राठौर को डेट कर रहे थे और अपने लास्ट वीडियो में निश्चय ने सबको शादी की डेट बताई थी कि वह और रुचिका 9 जून को शादी कर रहे हैं। शादी दोनों ने हिमाचल प्रदेश के आईटीवी होटल में की जो चैल में है। शादी में सिर्फ परिवार वाले और करीबी दोस्त शामिल थे। फोटोज में आप देखेंगे कि निश्चय और रुचिका के चेहरे पर शादी की खुशी साफ नजर आ रही है। रुचिका ने रेड कलर का लहंगा पहना है तो वहीं निश्चय ने ऑफव्हाइट कलर की शेरवानी पहनी है। फोटोज शेयर कर निश्चय ने लिखा फॉरेवर। फैंस और कई यूट्यूबर्स निश्चय को बधाई दे रहे हैं। दोनों की लव स्टोरी की बात करें तो इसकी शुरुआत साल 2018 में हुई थी जब दोनों कॉलेज में थे। लंबी डेटिंग के बाद साल 2024 दिसंबर में दोनों की सगाई हुई। इसकी फोटोज बाद में शेयर की थीं।

नपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने स्वच्छता, सेवा और समर्पण के 100 दिन पूरा किया

प्रेसवार्ता- जनसेवा हमारा संकल्प

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने अपने कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरा कर लिया। उन्होने कहा कि अध्यक्ष बनने के पहले दिन से ही नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए पूरी लगन और निष्ठा के साथ अपनी टीम सहित जुट गए थे। इस प्रयास की शुरूआत से ही कुछ परिवर्तन नगर में दिखाई देने लगा है। वहीं आने वाले समय में स्वस्थ, सुंदर और विकसित कवर्धा को 100 प्रतिशत आम जनता के सामने प्रस्तुत करेंगे।

नगर पालिका के सभाकक्ष में आयोजित पत्रकार वार्ता में अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने पत्रकारों को अपने 100 दिन की उपलब्धियां बताई और कहा कि बीते 100 दिनों में नगर की सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है साथ ही नालियों की सफाई जैसे बुनियादी कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। श्री चंद्रवंशी ने पारदर्शी प्रशासन और जनता की सहभागिता को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि नगरवासियों का सहयोग और विश्वास ही उनकी असली ताकत है और आगे भी शहर के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होनें कहा कि नगर पालिका टीम पूरे कवर्धा वासियों को विश्वास में लेकर काम कर रही है। उन्होनें भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव की सरकार में उपमुख्यमंत्री कवर्धा विधायक विजय शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं सांसद संतोष पाण्डे के मार्गदर्शन में कवर्धा नगर पालिका ट्रिपल इंजन वाली सरकार की गति से आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में कवर्धा नगर पालिका नई ऊंचाइयों को छुएगी। स्वच्छता के क्षेत्र में जलसंरक्षण के महत्व व परंपरागत जलस्त्रोतों में तालाब की स्वच्छता बनाए रखने के लिए सभी वार्डो में स्वच्छता अभियान के साथ-साथ प्रत्येक रविवार हमने तालाबों की

सफाई अभियान में जन भागीदारी बढ़ाने और जागरूकता की दृष्टि से प्रारंभ किया है।

नगर पालिका परिषद कवर्धा में उपस्थित प्रमुख अतिथियों को अपनी उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 100 दिन पूरे होने पर पुस्तक का विमोचन कर जनता के नाम समर्पित किया। साथ ही प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाकर अब तक किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने कहा कि कार्यकाल के प्रथम 100 दिनों में जहां पारदर्शिता, जन संवाद और साफ-सफाई को प्राथमिकता दी गई, वहीं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई बड़े निर्माण कार्य भी शुरू किए गए हैं। कवर्धा नगर वासियों ने जिस विश्वास के साथ हमारी टीम को सेवा करने का मौका दिया है नगर पालिका जनता और पालिका के सहयोग से चलने वाली सरकार है शहर को आगे बढ़ाने के लिए स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए संयुक्त भागीदारी की हमेशा आवश्यकता होती है।

पुस्तिका का विमोचन:जनता के सामने पारदर्शिता का प्रतीक

अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने 12 जून को 100 दिन कार्यकाल के पुरे होने पर ''शहर विकास पर आधारित पुस्तिका का विमोचन अपने स्थानीय प्रतिनिधित्व पूर्व विधायक अशोक साहू, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, देवकुमारी चंद्रवंशी, मनहरण कौशिक, राजेन्द्र सलूजा, जिला भाजपा उपाध्यक्ष नितेश अग्रवाल भाजपा प्रवक्ता जसविंदर बग्गा, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा सहित नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापतिगण, पार्षदगणों की मौजूदगी में कराया जाकर कवर्धा की जनता को समर्पित किया। इसमें 100 दिनों के कार्यो के झलकियाँ दिखाने का प्रयास एवं बीते 100 दिनों के भीतर हुए प्रमुख कार्यों, विकास योजनाओं और नागरिक सेवाओं का विवरण दिया गया है।

आने वाले दिनों में कवर्धा शहर की झलक- अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने पालिका क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो की विस्तृत जानकारी दी और आने वाले दिनों में विकसित कवर्धा की झलक दिखाया। उन्होनें बताया कि कवर्धा शहर के करपात्री स्कूल के सामने हनुमंत वाटिका का निर्माण, नगर पालिका कार्यालय के सामने चौपाटी निर्माण, नगर पालिका के पीछे वन विभाग कार्यो के सामने फूड पार्क का निर्माण, शिवाजी चौक का निर्माण, अटल परिसर का निर्माण, करपात्री स्कूल से होते हुए जिला पंचायत, बीएसएनएल कार्यालय से पीजी कॉलेज एवं पीजी कॉलेज से लेकर करपात्री स्कूल तक वॉकिंग टेऊक्र का निर्माण, पुराना नगर पालिका में पालिका बाजार का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है इसी तरह घोठिया रोड़ का चौड़ीकरण, रायपुर बिलासपुर मार्ग का सड़क निर्माण तथा वार्ड क्रं. 25 व 26 के निवासियों के लिए पानी टंकी का निर्माण किया जा रहा है।

खबर-खास

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के जंगल में छोड़ा गया तेंदुआ

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में तेंदुआ को छोड़ा गया।इस विषय में वनमण्डलाधिकारी ने बताया कि एक तेंदुआ कांकेर क्षेत्र के दुधावा के आसपास आए दिन आ जाता था,उसे पकड़कर उसका स्वास्थ परीक्षण किया गया और उसे सुरक्षित उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के जंगल इलाके में वन विभाग द्वारा छोड़ा गया है ताकि ग्राम या शहर से दूर संरक्षित क्षेत्र में रह सके।इस तेंदुआ को दूसरे वन परिक्षेत्र से पिंजरे में कैद कर लाया गया है और उदंती टाइगर रिजर्व में छोडा गया।

जिले मे संलग्नीकरण के तहत कार्य कर रहे शिक्षकों का संलग्नीकरण समाप्त मूल संस्था वापस लौटने आदेश,परंतु कार्यालय मे बाबूगिरी कर रहे शिक्षकों के संलग्नीकरण समाप्ति नहीं

गरियाबंद। गरियाबंद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने आज जिले के सभी पाँच विकासखंड शिक्षा अधिकारियों प्रधानपाठकों कों आदेश जारी कर शैक्षणिक संस्थाओं मे व्यवस्था के तहत शाला संचालन के दृष्टिगत शिक्षक विहीन एकल शिक्षकीय शालाओं मे व्यवस्था के तहत संलग्न किये गये शिक्षकों का संलग्नीकरण समाप्त कर वापस मूल संस्था भेजने कार्यमुक्त करने का निर्देश जारी किया।परंतु जिला कलेक्ट्रेट के समग्र शिक्षा और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मे बाबूगिरी कर रहे आधा दर्जन से अधिक व्याख्याताओं कों शाला वापस करने का कोई निर्देश आदेश जारी नहीं हुआ जिसका आम जनता कों इंतजार था।

युक्तियुक्तकरण के विरोध में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ने घेरा सहसपुर लोहारा बीईओ कार्यालय

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर युक्तियुक्तरण को लेकर पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार के फैसले के विरोध में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी गुरूवार को जिले के स. लोहारा तथा ठाठापुर ब्लाक में कांग्रेस पार्टी ने धरना प्रदर्शन तथा बीईओ कार्यालय का घेराव किया।

इससे पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा एक सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व विधायक श्रीमती ममता चन्द्राकर, कांग्रेस नेता शरद बंगानी, जित्तू सिंह ठाकुर, ब्लाक अध्यक्ष सतीश गहरवार तथा पूर्व मण्डी उपाध्यक्ष चोवाराम साहू ने एक स्वर में भाजपा की विष्णुदेव सरकार पर युक्तियुक्तकरण को लेकर आरोप लगाते हुए कहा कि युक्तियुक्तकरण प्रदेश की भाजपा सरकार की शिक्षा विरोध तथा रोजगार विरोधी नीति है। जिसका चौतरफा विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस नीति से प्रदेश के 10 हजार स्कूल बंद हो

जाएंगे, शिक्षकों का पद खत्म हो जाएगा। हजारो लोगों के हांथो से रोजगार छिन जाएगा। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि ये सरकार बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। इसके अलावा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूलों को जबरिया बंद किए जाने से न केवल शिक्षक बल्कि, प्रभावित 10463 स्कूलों में संलग्न हजारों रसोईया, स्लीपर और मध्यान भोजन बनाने वाली महिला, स्वसहायता समूह की बहनों के समक्ष जीवनयापन का संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार की इस नीति का पुरजोर विरोध करती है। सभा के पश्चात रैली के शक्ल में कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता साय सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ब्लॉक शिक्षा ऑफिस का घेराव करने पहुंचे। बाद में कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन को अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर जगमोहन साहू, विनय वैष्णव, ईश्वरी साहू, हिमलेश निर्मलकर, रामअवतार सेन, बृजेश कौशिक, टहल सिंह, मुकेश पटेल, सुखनंदन साहू, भूपेन्द्र सिंह, कामत कौशिक, दिलीप साहू, ओम कौशिक, हेमराज कौशिक, टिकेश कुमार, रूपेन्द्र वर्मा, पुरषोत्तम वैष्णव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

बालिका वधु की अविका गौर और उनके मंगेतर मिलिंद चंदवानी ने कलर्स के नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के लिए कहा 'हां!'

नईदिल्ली। क्या आपको बालिका वधू की छोटी आनंदी याद है - वह बाल वधू जिसने उस समय हमारा दिल चुरा लिया था? अब वही अविका गौर पूरी तरह से बड़ी हो चुकी हैं और प्यार में सिर से पांव तक डूबी हुई हैं! टेलीविजन की यह चहेती कलाकार अब उस चैनल पर वापसी कर रही हैं जिसने उन्हें घर-घर का नाम बना दिया था-कलर्स। लेकिन इस बार, वह अकेली नहीं आ रही हैं। इस खास मौके पर उनके साथ हैं उनके मंगेतर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलिंद चंदवानी। यह प्यारा जोड़ा कलर्स के बिल्कुल नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आने वाला है-एक ऐसा शो जो प्यार, हंसी और रिश्तों की जादुई उलझनों का खूबसूरत उत्सव है। अभी हाल ही में जब अविका ने अपने लंबे समय से साथी मिलिंद के साथ रोका सेरेमनी की ड्रीमी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, तो इंटरनेट पर जैसे भावनाओं की बाढ़ आ गई। फैन्स ने ऑ कहकर अपना प्यार जताया और अब समझ में आता है क्यों-वह तो बस एक झलक थी, असली कहानी अब सामने आ रही है। 'पति पत्नी और पंगा' उन छोटे-छोटे लम्हों को उजागर करेगा जो किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाते हैं-एक साथ की गई कोशिशें, साझा की गई मुस्कानें, रोज़ाना की छोटी-छोटी जीतें। यह दिल को छू जाने वाला रियलिटी शो हमें हमारे पसंदीदा सेलेब्रिटी जोड़ों की ज़िंदगी में ले जाएगा, जहाँ वे एक-दूसरे के साथ मज़ेदार, भावुक और रोमांचक चुनौतियों का सामना करेंगे-और दिखाएंगे कि उनका रिश्ता कितना मजबूत है।

विद्यार्थी सम्मान समारोह

गरियाबंद। 13 जून को पंडित श्यामाचरण शुक्ल फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का होगा सम्मान।पंडित श्यामचरण शुक्ल फाउंडेशन विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रही है।संस्था के चेयरमैन अमितेश शुक्ल की मौजूदगी में यह आयोजन 13 जून को आयोजित समारोह 12 बजे गरियाबंद वन विभाग प्रणाम में मौजूद ऑक्शन हाल में आयोजित होगा।जिसमें संस्था द्वारा 10 वीं एवं 12 वी बोर्ड में टॉप टेन की सूची में शामिल छात्रों के प्रोत्साहन के लिए यह सम्मान आयोजन कर रही है।

//न्यायालय तहसीलदार सरायपाली, जिला महासमुंद (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

सर्वसाधरण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भानुमती पिता राजेश जाति .... निवासी ग्राम भंवरपुर तहसील सरायपाली द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम केजुवा दिनांक 26/04/1999 को आवेदक के आसमोती की हो जाने से मृतक व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप / दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो ये स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनाँक 10/06/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनाँक 04/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर **तहसीलदार सरायपाली**

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

ई-कोर्ट प्रकरण कमांक ./ब-121/वर्ष 2024-25
ग्राम गुढा
क्रमांक/ /वाचक/ना.तह./2025
पिपरिया दिनांक 12.06.2025

// ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासीगण गुढा सूचित किया जाता है कि आवेदक तामेश्वर प्रसाद जायसवाल पिता भुनेश्वर जायसवाल निवास का पता ग्राम गुढा तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने व्ययं तामेश्वर प्रसाद जायसवाल पिता भुनेश्वर जायसवाल निवास का पता :- ग्राम गुढा तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ है, जिनका जन्म ग्राम गुढा तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में दिनांक 07. मई 1994 को हुआ है जिनकी जन्म तिथि शासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 23.06.2025 तक. स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सुनवाई तिथि: 23.06.2025

नायब तहसीलदार पिपरिया
मुहर **जिला कबीरधाम, (छत्तीसगढ़)**

शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए प्राणघातक हमला करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद वन मंडल के परसुली परिक्षेत्र के एक ग्राम में अतिक्रमण कारियो द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराने गए अधिकारियों और कर्मचारियों के ऊपर कुल्हाड़ी,डंडे से प्राण घातक हमला किया गया।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 360 में ग्राम हरदी निवासी आशाराम गोंड के द्वारा वन अधिकार भूमि को अनाधिकृत रूप से जेसीबी के माध्यम से अवैध कब्जा किया जा रहा है।इसकी जानकारी के पश्चात डिप्टी रेंजर अशोक सिन्हा,हरि अर्जुन यादव,जाकिर हुसैन सिद्दीकी समेत 5 वनकर्मी गुरुवार सुबह 4 बजे अतिक्रमण हटाने

पहुंचे थे।टीम जैसे ही मौके पर कार्रवाई शुरू की तो अतिक्रमणकारियों ने महिलाओं को आगे कर पहले तो वन कर्मियों पर डंडे और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया,फिर उन्हें बंधक बना लिया और वन अमला के मोबाइल छीन लिए। घटना की जानकारी देते हुए प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी दुर्गा प्रसाद दीक्षित ने बताया कि अतिक्रमण की सूचना थी,इस अतिक्रमण को रोकने तुम गई थी उसके ऊपर ये प्राण घातक हमला की गया और टीम को दो घंटे तक बंधक बनाया था। इसकी जानकारी विभाग के परिजनों ने कोतवाली पुलिस को दी.इसके बाद थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव ने सुबह 5 बजे बल के साथ मौके पर पहुंचकर बंधक डिप्टी रेंजर समेत वन कर्मियों को छुड़ाते हुए पांच आरोपी आशाराम ध्रुव पिता रैन सिंह ध्रुव उम्र 55 वर्ष, झमेश्वर ध्रुव पिता आशाराम ध्रुव उम्र 29 वर्ष,धनेश्वर ध्रुव पिता आशाराम ध्रुव उम्र 20 वर्ष,रोहित ध्रुव पिता पिता देवी सिंग ध्रुव उम्र 35 वर्ष, सीताबाई पति भारत सिंह ध्रुव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम हरदी थाना गरियाबंद के विरूद्ध अपराध धारा 296,351(2), 115(2), 191(2), 121(2),132, 126(2), 109(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किए।इस घटना में वन विभाग के दो कर्मचारियों को गंभीर चोट लगी जिनका उपचार जारी है।

//न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बसना, जिला महासमुन्द (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

कमांक/237/अ.वि.अ./भूव्यप./2025
बसना, दिनांक 09 जून 2025

आवेदक संजय मेहरा पिता कैरू मेहरा निवासी ग्राम खेमड़ा तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) के द्वारा ग्राम खेमड़ा प.ह.नं. 33 रा.नि.मं. बसना तहसील बसना स्थित भूमि ख.नं. 1316/9 रकबा 0.04हे. भूमि को भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-172 के तहत् कृषि मद से भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बी 1, खसरा, नक्शा, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत प्रस्ताव सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका/आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 23/06/2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुहर **बसना**

//न्यायालय ना.तहसीलदार भंवरपुर जिला-महासमुंद (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक / 211 / क/वा-1/तह./2025
दिनांक -30/05/25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका भानुमती पिता/पति-गणेशराम निवासी ग्राम / नगर- भंवरपुर, तहसील - बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं / पुत्र मेहत्तर राम का दिनांक 16/05/2002 को स्थान भंवरपुर में मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म / मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में पुत्र मेहत्तर राम के जन्म /मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 16/06/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायाब तहसीलदार
मुहर **भंवरपुर, जिला- महासमुंद**

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क. अ/6 अ वर्ष 2024-25
ग्राम दशरंगपुर प.ह.न 28

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दिलीप केशरवानी पिता केजू जाति बनिया, निवास का पता दशरंगपुर तहसील पिपरिया, द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि आवेदक के नाम के भूमि ग्राम दशरंगपुर खसरा नम्बर 1317 रकबा, 0.478 हेक्टेयर भूमि स्थित है। वर्तमान ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश सहखातेदार बुंदन, खेदू, राधेश्याम का नाम प्रदर्शित हो रहा है। आवेदक द्वारा सहखातेदार का का नाम विलोपित कर त्रुटिसुधार हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा के समक्ष नामांतरण पंजी, पंजीकृत बैनामा सहित अभिलेख सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: आप उपरोक्त आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी तारीख तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि 26/06/2025 के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार पिपरिया
मुहर **जिला कबीरधाम, (छत्तीसगढ़)**

मल्टीटैलेंटेड लिलेश्वर सिन्हा, निर्माता,लेखक, अभिनेता, सिंगर की धार्मिक फिल्म जै सीतला मईया 5 सितंबर से...

रायपुर (समय दर्शन)। डॉ पुनीत सोनकर के निर्देशन में सीतला माता पर बनी धार्मिक छत्तीसगढ़ी फिल्म जै सीतला मईया का प्रदर्शन आगामी 5 सितंबर से पूरे प्रदेश में भव्य रूप से प्रदर्शित होगी।

सिन्हा जी ने आगे बताया कि फिल्म में मेरा किरदार नायक का है व नायिका का किरदार सोनाली सहारे ने निभाया है । सीतला माता की भूमिका स्वीटी साहू ने निभाया है वहीं नारद का किरदार शैलेश साव ने किया! माता पिता की भूमिका में अनुराधा दुबे एवं संजय मैथिल ने निभाई है विलेन का किरदार जानू साहू जबरदस्त निभाया है ।

छत्तीसगढ़ी फिल्मों के वरिष्ठ कलाकार जो अपनी भिन्न भिन्न अदायगी से दर्शकों का दिल जीतते है प्रदीप शर्मा व घनश्याम वर्मा हास्य कलाकार की भूमिका में दिखाई देंगे।

फिल्म में कर्णप्रिय गीत लिखा है इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ गीतकार ,साहित्यकार,कर्मा सम्राट ,राष्ट्रपति पुरूस्कार से सम्मानित घनश्याम ठाकुर ने फिल्म की सह निर्मात्री मीनाक्षी पांडे है वहीं गानों की कोरियोग्राफी की है दिलीप बैस ने फिल्म में जानदार संगीत दिया है लिलेश्व सिन्हा ने संगीत का संयोजन सूरज महानद किया है फिल्म का प्रदर्शन 5 सितंबर को पूरे प्रदेश मे किया जाएगा।

//न्यायालय ना.तहसीलदार भंवरपुर जिला-महासमुंद (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक / 215 / क/वा-1/तह./2025
दिनांक -30/05/25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका भानुमती पिता/पति-गणेशराम निवासी ग्राम / नगर-भंवरपुर, तहसील - बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं / पुत्र/पुत्री/पिता ननद बुई का दिनांक 04/02/2006 को स्थान भंवरपुर में मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म / मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वय /पुत्र/पुत्री / माता/पिता ननद बुई के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 16/06/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायाब तहसीलदार
मुहर **भंवरपुर, जिला- महासमुंद**

//न्यायालय ना.तहसीलदार भंवरपुर जिला-महासमुंद (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक / 208 / क/वा-1/तह./2025
दिनांक -30/05/25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका भानुमती पिता/पति-गणेशराम निवासी ग्राम / नगर- भंवरपुर, तहसील - बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं / पुत्र/पुत्री/पिता पति गणेश राम का दिनांक 06/02/1992 को स्थान भंवरपुर में मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म / मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं /पुत्र/पुत्री / माता/पिता/ पति गणेश राम के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 16/06/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायाब तहसीलदार
मुहर **भंवरपुर, जिला- महासमुंद**

//न्यायालय ना.तहसीलदार भंवरपुर जिला-महासमुंद (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक / 213 / क/वा-1/तह./2025
दिनांक -30/05/25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका भानुमती पिता/पति-गणेशराम निवासी ग्राम / नगर- भंवरपुर, तहसील - बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं / पुत्र/पुत्री/पिता ननद परमा का दिनांक 05/02/2007 को स्थान उमरिया में मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म / मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं /पुत्र/पुत्री / माता/पिता/ ननद परमा के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 16/06/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायाब तहसीलदार
मुहर **भंवरपुर, जिला- महासमुंद**

संक्षिप्त-खबर

सामजिक सुरक्षा में दूसरे पायदान पर पहुँचना मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं का परिणाम- स्वप्निल

पिथौरा (समय दर्शन)। सामाजिक सुरक्षा में भारत के दुसरे नंबर पर पहुचनें पर युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी ने कहा कि, समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिये कार्य करती है देश की मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि, आज विश्वभर में भारत देश का नाम हर क्षेत्र में अग्रणी पंक्तियों में गिना जाता है । यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सोच व उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं का ही परिणाम है कि आज हम गर्व से कह पा रहे हैं कि, विश्व भर में सबसे ज्यादा लोगो को सामाजिक सुरक्षा देने में हमारा देश दूसरे पायदान में पहुँच गया है। अब वो दिन भी ज्यादा दूर नहीं है जब अपनी दूरदर्शी सोच के साथ नीतिगत योजना लागू करने वाले प्रधानमंत्री मोदी जी देश को सामाजिक सुरक्षा में प्रथम पायदान में ले जायेंगे। वर्तमान में 64.3 प्रतिशत लोग यानी लगभग 94 करोड़ लोग अब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ गए है।श्री तिवारी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा श्रमिक और ग़रीब वर्ग के लिये कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओ की वजह से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के डैशबोर्ड पर भारत को अब सामाजिक सुरक्षा में वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान दिया गया है।

आंगनबाड़ी का पार्षद ने किया निरीक्षण, बच्चो की चाकलेट बांटे

पाटन। नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 6 के पार्षद अनीता सरजू साहू ने बाबू बगीचा वार्ड में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 4 का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर बच्चों एवं हितग्राहियों के लिए की जा रही है व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। इसके अलावा उन्होंने पोषण से संबंधित जानकारी भी ली। इस अवसर पर पार्षद अनीता सरजू साहू ने बच्चों को चॉकलेट का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका सहित अन्य मौजूद रहे।

सीतानदी उदंती क्षेत्र के मूलभुत समस्याओं के निदान हेतु अधिकारियो ने ग्रामीणो से चर्चा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। सीतानदी उदंती क्षेत्र के मुलभुत समस्याओं के निदान हेतु आज उपनिर्देशक सीतानदी टाइगर रिज़र्व गरियाबंद, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, तहसीलदार एवं कोर एरिया के पंचायत के सरपंच, सचिव व ग्रामीणों से चर्चा की बैठक में सीतानदी उदंति अभ्यारण क्षेत्र (कोर क्षेत्र) में निर्माणधीन प्रधानमंत्री आवास में आवश्यकता अनुरूप रेत की उपलब्धता, टाइगर रिजर्व क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र में विकसित करने, जंगली जानवर को कोर एरिया में बाहर से लाये जाने, जंगल को संरक्षित करने एवं जल संरक्षण के कार्यों को करने हेतु विशेष जोर दिया गया। साथ ही बैठक में कोर क्षेत्र के मार्ग को वर्षा से पहले जीर्णोधार करने, वन क्षेत्र में सभी पंचायतो के निर्माण कार्यों का ग्रामसभा के अनुमोदन, बिजली की समस्या हेतु बोरई में सब स्टेशन 2026 तक स्थापित करने और आंगनबाड़ी बाडी भवन पर वन विभाग द्वारा रोक लगाये जाने पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही उपस्थित ग्रामीणो से जंगली जानवरो और वन कों संरक्षित करने की भी समझाईस दी गई।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा : शारीरिक दक्षता एवं लिखित परीक्षा संबंधी कार्यशाला 17 जून को

धमतरी / जिला प्रशासन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अग्निवीर भर्ती लिखित परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आगामी 17 जून को कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वीर चक्रधर ऑडिटोरियम, डिपो रोड कुरूद, में आयोजित इस कार्यशाला में आर्मी भर्ती कार्यालय रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा परीक्षा संबंधी मूलभूत जानकारी के साथ ही उत्तर लेखन कौशल एवं समय प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य अभ्यर्थियों को भविष्य में होने वाले अग्निवीर लिखित परीक्षा की समुचित तैयारी, शारीरिक दक्षता एवं चिकित्सा परीक्षण, दस्तावेज की जानकारी प्रदान करना है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा का मगरलोड विकासखंड के विभिन्न गांव का सघन दौरा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज मगरलोड विकासखंड के नदी किनारे बसे गांव के लोगों के जीवन को जानने विभिन्न गांव का सघन दौरा किया। इस दौरान उनके साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव भी साथ थी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने मारागांव-चारगांव के बीच टूटे पुल का निरीक्षण किया। इस पुल के टूट जाने से आसपास के क्षेत्र के लोगों को काफी सुविधा हो रही है, गांव से नगरी क्षेत्र की दूरी लगभग 26 किलोमीटर पड़ती है। अधिकारियो ने बताया कि पुल निर्माण का

प्रस्ताव कृषि मंडी को गया है, जिसका भी अवलोकन उन्होंने किया।

इसके बाद कलेक्टर ने धीकुड़िया में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत बनाए जा रहे 53 आवासों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कार्य में राजमिस्त्री एवं निर्माण सामग्री की उपलब्धता और निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने बूटीगढ़ में औषधीय के प्रमोशन को लेकर जो काम किया जा रहे हैं उनकी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सोलर पंप का प्रस्ताव नहीं मिला है, जिसके कारण नक्शा खसरा लंबित है। इसके साथ ही गांव के समीप एक रपटा, चेक डेम के काम डीएमएफसे स्वीकृत है, इन कामो को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए। करेली छोटी पहुंचकर कलेक्टर ने 1942 सेटलमेंट प्लान का भी अवलोकन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव में एक मिनी स्टेडियम निर्माण करने की मांग की, जिस पर कलेक्टर ने शासन से चर्चा कर स्वीकृत करने की बात कही। मोहेरा में पहुंचकर कलेक्टर ने समूह द्वारा किए जाने वाले कार्य, पर्यटन को बढ़ाने के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है और कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होने निराईमाता मंदिर परिसर में सड़क बिजली पानी के बारे में भी चर्चा की। इस अवसर पर सीईओ जनपद पंचायत मगरलोड सुश्री दिव्या ठाकुर के अलावा अन्य अधिकारी और क्षेत्र के पंचायत पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अहमदाबाद विमान हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया

- अहमदाबाद विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोरा
- अत्यंत हृदयविदारक और दुखद घटना से लोगों के नम हुई आँखें

रायपुर (समय दर्शन)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विनाशकारी विमान हादसे पर बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इसे एक त्रासदी करार दिया। उन्होंने इस दुखद घटना के कारणों पर गंभीर प्रश्न उठाए और सरकार से निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस दुर्घटना को अत्यंत हृदयविदारक बताते हुए कहा कि यह हादसा पूरे देश के लिए गहरी पीड़ा लेकर आया है। उन्होंने इस दुर्घटना में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत सभी मृत यात्रियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों को संबल प्रदान करने की कामना की।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा यह एक हृदयविदारक दुर्घटना है, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है। सरकार को इस घटना के पीछे के कारणों की निष्पक्ष और गहन जांच करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को टाला जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि हादसे से जुड़े सभी तकनीकी एवं सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा आवश्यक है, ताकि संभावित लापरवाही को उजागर किया जा सके।

हादसे की भयावहता - अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर (फ्लाइट‚ढ्ढ-171) टेकऑफके कुछ ही मिनट बाद मेघानी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में 242 लोग सवार थे, जिनमें 230 यात्री और 12 क्रू सदस्य शामिल थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में सभी यात्रियों की मृत्यु की आशंका जताई जा रही है।

मृतकों में 169 भारतीय नागरिक थे, जबकि 61 विदेशी नागरिक भी इस विमान में सवार थे, जिनमें 53 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली नागरिक और 1 कनाडाई नागरिक शामिल थे।

अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही, खनिज विभाग ने 03 चैन माउंटेन मशीन किया जब्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज चिखली रेत खदान की सीमा पर ग्राम सिरपुर, महानदी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 03 वाहनों को रेत का अवैध उत्खनन करते हुए पकड़ा गया खनिज विभाग, पुलिस एवं राजस्व की टीम ने 03 चैन माउंटेन मशीन को अवैध रेत उत्खनन करते हुए जप्त किया है। तीनों वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ तुमगांव थाना में खड़ा किया गया है। खनिज अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने मीडिया को बताया कि उक्त वाहनों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस प्रकरण में 2 से 5 वर्षों की सजा का भी प्रावधान है और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध स्न्रढ्ढक्रदर्ज कर

न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा। पूर्व में भी खनिज पट्टेदारों एवं खनिज परिवहनकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए जा चुका हैं कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिज का उत्खनन, परिवहन या भंडारण करना कानूनन अपराध है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज विभाग का विशेष अभियान सतत जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संकुल केंद्र सावित्रीपुर में संकुल स्तरीय सत्रारंभ बैठक

साँकरा (समय दर्शन)। पिथौरा ब्लाक के संकुल केंद्र सावित्रीपुर के अंतर्गत विद्यालयों के प्रधान पाठकों और शिक्षकों की बैठक संकुल के नोडल प्राचार्य प्रसाद सिदार की अध्यक्षता एवं संकुल समन्वयक पी एल चौधरी की उपस्थिति में संकुल केंद्र सावित्रीपुर में 12 जून 2025 को आयोजित किया गया।

बैठक में सर्वप्रथम नवपदस्थ शिक्षकों का पुष्प गुच्छ गुलाल से स्वागत किया गया। साथ ही साथ इस बैठक में विभिन्न जानकारियां दी गई।इसमें शाला प्रवेश उत्सव की तैयारी,गणवेश ,पाठ्यपुस्तक वितरण,टीवीसी ऐप का पंजीयन सह प्रशिक्षण , पी एफ एम एस की राशि का समुचित उपयोग, इको क्लब के तहत पौधारोपण ,संरक्षण रखरखाव ,यू डाइस में विद्यार्थियों का अपग्रेडेशन पूर्ण करने, शौचालय की साफ सफाई एवं पेयजल की जांच,किचन शेड मरम्मत,साफ सफाई, एमडीएम चावल की सफाई, बरसात पूर्व रखरखाव, एमडीएम संचालन की समिति आवश्यक बैठक लेकर दिशा निर्देश देना, समय पर शिक्षकों की उपस्थिति, बिना अनुमति बीईओ ऑफिस न जाने,शाला विकास समिति की बैठक लेकर आगामी तीन माह का प्लान तैयार करने एवं पुनर्गठन का भी निर्देश दिया गया। इस संदर्भ में नोडल प्राचार्य ने आवश्यक सभी पंजीयो का संधारण एवं उचित रखरखाव का निर्देश दिया।वार्षिक कैलेंडर बनाकर शतप्रतिशत प्रवेश लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पालको से संपर्क करना , शाला समय 16 जून से 10 से 4 तक सुनिश्चित करने का प्रधान पाठक को ध्यान देने को कहा

गया,शाला में भ्रमण पंजी,अवकाश पंजी संधारित करने के लिए अनिवार्य रूप से शिक्षक डायरी का संधारण करने के साथ आरम्भ से ही विद्यार्थी विकास सूचकांक तैयार किया जाने बाबत प्रयास पर जोर दिया गया ।अपार ईडी के लिए नव प्रविष्ट छात्रों का आधार कार्ड का मिलान अवश्य करने का निर्देश दिया गया। जाति प्रमाण पत्र की जानकारी के लिए प्रभारी नियुक्त करने एवं शुरू से आवश्यक दस्तावेज मांगने के निर्देश दिए गए। दिव्यांग छात्रों की समस्त जानकारी बैंक खाता प्रमाण पत्र आदि की जानकारी अपडेट रखने के लिए, शाला भवन की स्थिति, मरम्मत संबंधी जानकारी की समीक्षा,छात्रवृत्ति रजिस्टर का संधारण।विगत सत्र 2025 के पीएमएस राशि के उपयोग एवं कैश बुक आदि पूर्णता करने के संबंधी बैठक में जानकारी दी गई।दर्ज संख्या की जानकारी लक्ष्य पहली,छठवीं, नवमी तक एवं अन्य संकुल स्तरीय गतिविधियों पर चर्चा की गई।

बैठक में विजय कुमार मिरी प्रधान पाठक भजपुरी, शिक्षक हेमराज साहू , हेमराज यादव ,हेमंत कुमार कर , रमेश पटेल ,धर्मेंद्र कुमार बारमते , महेंद्र कुमार तांडी, धरणीधर कर , एस एल पटेल , नरेंद्र कुमार जलछत्री ,प्रवीण कुमार साहू ,संजय कोसरिया उपस्थित रहे ।

संकुल केंद्र बड़ेटेमरी में सत्रारंभ बैठक संपन्न

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के संकुल केंद्र बड़ेटेमरी में 10 जून को बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया के निर्देशन ,विकास खण्ड स्रोत समन्वयक डॉ पूर्णानंद मिश्रा के मार्गदर्शन और बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार के नेतृत्व में संकुल स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बड़ेटेमरी संकुल के सभी संस्था प्रमुख उपस्थित थे। सर्वप्रथम उपस्थित शिक्षकों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की और सुझाव दिए। जैसे = विद्यालय खुलने से पहले विद्यालय की साफ सफाई, रंग रोगन, विद्यालय परिसर की स्वच्छता,शौचालय की साफ सफाई, किचन सेड की साफ सफाई,शाला प्रवेश उत्सव मनाने, गणवेश वितरण,टीबीसी सीजी एप्प द्वारा बारकोड़ स्कैनिंग करने के बाद पुस्तक वितरण, यू डाइस में विद्यार्थी प्रोग्रेशन, वृक्षारोपण, जादुई पिटारा, अपार आईडी,जाति प्रमाण पत्र बनाने ,जिन शालाओं का युक्तियुक्तकरण हुआ है वहां के संस्था प्रमुख आपस में बैठकर नए शिक्षा सत्र में एकीकृत संचालन करेंगे। संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने सभी को नए शिक्षा सत्र के लिए अग्रिम बधाई देते हुए पूरे उत्साह के साथ कार्य करने कहा। इस बैठक में बड़ेटेमरी संकुल के समस्त संस्था प्रमुख उपस्थित थे।

पिथौरा मे लघु वनोपज संघ का औषधीय पौधारोपण पर कार्यशाला सम्पन्न

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा वन काष्ठागार में जिला लघु वनोपज सहकारी संघ के तत्वावधान में एक दिवसीय कृषि वानिकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न हुआ ।

इस कार्यशाला मे कृषि भूमि पर लघु वनोपज और औषधीय प्रजाति के पौधों की रोपण हेतु प्रेरित किया गया । उपप्रबंध संचालक एआर बंजारे द्वारा कृषकों को औषधीय प्रजाति के पौधों के बारे मे तकनीकी जानकारी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान उन्होंने बताया कि सही मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग से कृषकबंधु औषधीय खेती को अपना आय का जरिया बना सकते हैं।

कृषकों ने औषधीय पौधों के प्रमुख 365 पौधे उपलब्ध कराने मांग की। इसमें ग्राफ्टेड आंवला के 212,आँवलाचक्का के 14, ग्राफ्टेड जामुन के14, बेर के 105 प्रजाति ,कुसुम बीज 04,जामुन बीजू 16 पौधों की मांग की है।

प्रशिक्षण मे वन विभाग एवं वनोपज सहकारी संघ ने प्रेरित किया कि,ग्राम्य जीवन मे औषधीय पौधों से आर्थिक सुदृढ़ता जुड़े हैं । लघु वनोपज व औषधीय पौधे पर्यावरणीय संतुलन का मुख्य हिस्सा हैं। प्रशिक्षण मे क्षेत्रपाल शकील कुरैशी, उपवन क्षेत्रपाल दिनेश वर्मा, राजीव गौत्तम, ललित साहू, चंद्रशेखर धुरंधर, सहायक प्रबंधक कौशल, पूजा वर्मा, प्रोग्राम असिस्टेंट रोहन देवांगन सहित अनेक विभागीय अधिकारी, वनधन मित्र और क्षेत्र अनेक कृषक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वन क्षेत्रपाल शकील कुरैशी ने कृषकों को प्रेरित करते हुए कहा कि, वन विभाग सदैव आप सबके साथ हैं, किसान औषधीय वनोपज के प्रति जागरूक हों और इस योजना को अपनाकर आत्मनिर्भर बनें।

लघु वनोपज आधारित कृषि से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे । विभागीय अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि कृषकों को हर संभव सहायता व सुविधाएं प्रदान करेगी, जिससे यह योजना धरातल पर सफ्लतापूर्वक फ्लीभूत हो ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26